राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 09 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–253 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईएएफ में कब से खुलेंगे महिला अग्निवीरों के रास्ते ? वायुसेना प्रमुख ने दे दिए बड़े संकेत

चंडीगढ़। वायुसेना की 90वीं वर्षगांठ पर चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शक विवेक राम चौधरी ने बढ़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम अगले साल से महिला अग्निवीरों को भी शामिल करने की योजना बना रहे हैं। बुनियादी ढांचे का निर्माण प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना के माध्यम से वायु योद्धाओं को वायुसेना में शामिल करना हम सभी के लिए एक चुनौती है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह हमारे लिए भारत के युवाओं की क्षमता का दोहन करने और इसे राष्ट्र की सेवा में लगाने का अवसर है।

वायुसेना की 90वीं वर्षगांठ पर चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शक विवेक राम चौधरी ने कई बड़ी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हम अगले साल से महिला अग्निवीरों को भी शामिल करने की योजना बना रहे हैं। बुनियादी ढांचे का निर्माण प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि

अग्निपथ योजना के माध्यम से वायु योद्धाओं को वायुसेना में शामिल करना हम सभी के लिए एक चुनौती है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह हमारे लिए भारत के युवाओं की क्षमता का दोहन करने और इसे राष्ट्र की सेवा में लगाने का अवसर है।

आज भारतीय वायुसेना की 90वीं वर्षगांठ है। भारतीय वायुसेना ने देश को दुश्मनों से बचाने के लिए कई स्वर्णिम लड़ाईयां लड़ी है। भारतीय सेना के जमीन पर पराक्रम का लोहा मानने के साथ हवा में वायुसेना की तेजी और दुश्मनों को नेस्तनाबूत करने वाले इरादे भी कम यादगार नहीं है। 192, 1965 और 1971 में वायुसेना का पराक्रम अतुलनीय है। शनिवार को चंडीगढ़ में वायुसेना दिवस पर एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी ने संबोधित किया।

बिहार विधानसभा उपचुनाव लड़ेगी लोजपा रामविलास? जानें क्या बोले चिराग पासवान

पटना। बिहार में विधानसभा उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। गोपालगंज और मोकामा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। चिराग पासवान की लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अभी तक पत्ते नहीं खोले हैं। लोजपा (रामविलास) उपचुनाव में क्या बीजेपी के साथ गठबंधन करेगी या अलग से प्रत्याशी उतारेगी, इस बारे में स्थिति साफ नहीं हो पाई है। चिराग का कहना है कि अभी पार्टी ने फैसला नहीं लिया है, मंथन जारी है। लोजपा (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान ने कहा है कि विधानसभा उपचुनाव को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। संसदीय बोर्ड की बैठक हुई है। लेकिन निर्णय की जानकारी उन्हें नहीं है। वे जल्द निर्णय लेंगे। चिराग ने कहा कि शनिवार को रामविलास पासवान की दूसरी पुण्यतिथि है। उन्होंने वादा किया था कि बिहार में और पूरे देश में उनकी प्रतिमा लगाएंगे। बिहार के हर जिले में भी उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसकी शुरुआत हाजीपुर से हो गई है। चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना भी साधा। उन्होंने नीतीश को बिहार विरोधी करार दिया। चिराग ने कहा कि मुख्यमंत्री की हर नीति, हर फैसला बिहार की जनता के विरोध में ही रहता है। बता दें कि बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद चिराग पासवान लगातार नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। वे जहां भी जाते हैं उनकी बुराई करना नहीं भूलते हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि चिराग अपने चाचा पशुपति पारस के साथ गतिरोध को दरकिनार करते हुए दोबारा एनडीए में शामिल हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री के स्मृति चिह्नों की नीलामी 12 अक्टूबर को

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री स्मृति चिह्न 2022 की नीलामी की तारीख को बढ़ा दिया गया है। स्मृति चिह्नों की नीलामी अब 12 अक्टूबर को होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए ट्वीट में यह जानकारी दी गई है। नीलामी के माध्यम से जुटाई गई धनराशि नमामि गंगे कार्यक्रम में दान की जाएगी। संस्कृति मंत्रालय के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया है कि यह उन कई विशेष उपहारों में से हैं जो मुझे वर्षों से मिले हैं। लोगों की इच्छाओं का सम्मान करते हुए, स्मृति चिह्नों की नीलामी को 12 तारीख तक बढ़ा दिया गया है। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट किए गए उपहारों और स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी 17 सितंबर को उनके जन्मदिन पर शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री को देश के कोने-कोने से प्रसिद्ध हस्तियों और शुभचिंतकों से असंख्य स्मृति चिह्न और उपहार प्राप्त हुए। इन ऐतिहासिक उपहारों में उत्कृष्ट पेंटिंग, मूर्तियां, हस्तशिल्प और लोक कलाकृति शामिल हैं।

नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट नई दिल्ली अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट किए गए स्मृति चिह्न और उपहारों की विशेष प्रदर्शनी के लिए आगंतुकों का स्वागत करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री को दिए गए 1200 उपहारों और स्मृति चिह्नों की नीलामी की

संस्कृति मंत्रालय के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया है कि यह उन कई विशेष उपहारों में से हैं जो मुझे वर्षों से मिले हैं।

जाएगी। इन 1,200 उपहारों में आकर्षण का केंद्र अयोध्या में श्रीराम मंदिर और वाराणसी में काशी-विश्वनाथ मंदिर की प्रतिकृति और मॉडल हैं।

पहली बार जनवरी 2019 में प्रधानमंत्री के उपहारों की नीलामी हुई थी। यह (12 अक्टूबर) सफल नीलामी की श्रृंखला में चौथी होगी। वहीं पहले के तरह ही नीलामी के माध्यम से जुटाई गई धनराशि नमामि गंगे कार्यक्रम में दान की जाएगी।

मोहन भागवत बोले-

जाति व्यवस्था खत्म हो-ये सब अब पुरानी बातें, समाज के हित के लिए इसे भूल जाना चाहिए

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने जाति और वर्ण व्यवस्था को खत्म करने की अपील की है। भागवत ने कहा- आज अगर कोई इस बारे में बात करे तो, समाज का हित चाहने वाले हर व्यक्ति को यह कहना चाहिए कि वर्ण और जाति व्यवस्था पुरानी सोच थी, जिसे अब भूल जाना चाहिए। भागवत ने ये बातें शनिवार को एक किताब के विमोचन कार्यक्रम के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी चीज जो भेदभाव पैदा कर रही हो उसे पूरी तरह से खारिज कर देना चाहिए। भारत हो या फिर कोई और देश, पिछली पीढ़ियों ने गलतियां जरूर की हैं। हमें उन गलतियों को स्वीकार करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि हमारे पूर्वजों ने

गलती की है, ये बात मान लेने पर उनका महत्व कम हो जाएगा तो ऐसा नहीं है, क्योंकि हर किसी के पूर्वजों ने गलतियां की हैं।

दशहरा समारोह में कहा था- अल्पसंख्यकों को हिंदुओं से खतरा नहीं

इससे पहले नागपुर में बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयादशमी मनाई। इसमें पहली बार महिला मुख्य अतिथि संतोष यादव शामिल हुईं। दशहरा समारोह में भागवत ने कहा था- अल्पसंख्यकों के बीच यह डर पैदा किया जाता है कि उन्हें हमसे या हिंदुओं से खतरा है। ऐसा न पहले कभी हुआ है और न भविष्य में ऐसा होगा। यह न तो संघ का स्वभाव है और न ही हिंदुओं का।

उन्होंने हमें इस तरह के हिंदू समाज की जरूरत है, जो न तो धमकाए और न ही किसी की धमकी स्वीकार करे। यह किसी का विरोधी नहीं है। संघ भाईचारे, सौहार्द और शांति के पक्ष में खड़े होने का संकल्प लेता है।

महाराष्ट्र के नासिक में प्राइवेट बस में लगी आग, 11 की मौत, 38 घायल

नासिक (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के नासिक में शनिवार सुबह 4:40 बजे हुए बस हादसे से कोहराम मच गया। यह हादसा नासिक-औरंगाबाद मार्ग पर होटल मिरची चौक पर हुआ। इस हादसे में निजी यात्री बस जलकर राख हो गई। हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई और 38 लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार यवतमाल के चिंतामणी ट्रैवल्स कि स्लीपर कोच बस मुंबई जा रही थी। धुलियां से मुंबई जा रहे एक ट्रक ने नासिक-औरंगाबाद मार्ग पर

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों को पांच–पांच लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार यवतमाल के चिंतामणी ट्रैवल्स कि स्लीपर कोच बस मुंबई जा रही थी।

स्थित मिरची होटल चौराहे पर इस बस को टक्कर मार दी। हादसे के वक्त बस में सवार सभी यात्री सो रहे थे। हादसे के तुरंत बाद बस में आग लग गई। आग की लपटों में घिरे 11 लोगों की झुलसने से मौत हो गई। 38 यात्री घायल हो गए। ट्रैवल्स कंपनी के मालिक गुड्डू ने बताया है कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेंगलुरु में उबर, ओला और रैपिडो को ऑटोरिक्शा सेवाएं बंद करने का आदेशः रिपोर्ट

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में परिवहन सेवाएं देने वाली कंपनियों उबर, ओला और रैपिडो से ऑटो रिक्शाओं पर रोक लगाने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट बताती है कि ऑटो रिक्शा वालों पर ग्राहकों से अधिक शुल्क लेने और परेशान करने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इस मामले में उबर और ओला की तरफ से तो चुप्पी साधी हुई है लेकिन, रैपिडो ने जवाब दिया है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा है कि कर्नाटक सरकार ने कैब एग्रीगेटर्स उबर, ओला और रैपिडो को बेंगलुरु में ऑटो रिक्शा सेवाओं पर रोक लगाने के लिए कहा है। उन पर ग्राहकों से अधिक शुल्क लेने और परेशान करने की लगातार शिकायत मिल रही हैं। बेंगलुरू के अतिरिक्त परिवहन आयुक्त हेमंत कुमारा ने

रॉयटर्स को बताया, ÷वे ऑटो चलाने के लिए अधिकृत नहीं हैं... वे अत्यधिक शुल्क ले रहे हैं और यह एक गंभीर शिकायत है। उन्होंने कहा, हम ग्राहकों के साथ होने वाले उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं और न ही अत्यधिक दरों को सही ठहरा सकते हैं। इस मामले में परिवहन विभाग ने कंपनियों को शहर में सेवा बंद करने के लिए एक नोटिस जारी किया है। हालांकि ओला और उबर इंडिया ने इस मामले में किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उबेर हाल के हफ्तों में भारत में अपनी ऑटोरिक्शा सेवा पर टेलीविजन विज्ञापन चला रहा है। गौरतलब है कि भारत में परिवहन सेवाएं देनी वाली कंपनियों के लिए एक वृहद बाजार है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह भारत की जनसंख्या है। लोग अक्सर भीड़भाड़ वाली सड़कों पर ड्राइविंग से बचने या सार्वजनिक परिवहन सेवाओं से बचना चाहते हैं। ऐसे में लोगों के लिए ऑटोरिक्शा या कार बुक करके छोटी यात्रा करना सबसे किफायती साधनों में से एक है। रैपिडो ने कहा है कि बेंगलुरु में उसका संचालन अवैध नहीं है और वह नोटिस का जवाब देगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, हमारे सभी किराए राज्य सरकार द्वारा तय किए गए किराए के अनुसार निर्धारित किए जाते हैं और रैपिडो उन किराए पर कोई अतिरिक्त पैसा नहीं ले रहा है।

एकनाथ शिंदे सरकार के दिवाली गिफ्ट को 'कम' बता रही कांग्रेस, नाना पटोले बोले– लोगों को 3 हजार रुपये दो

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रमुख नाना पटोले ने दिवाली पर सरकार की तरफ से दिए जा रहे गिफ्ट को काफी कम बताया है। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंद को पत्र लिखकर राज्य के लोगों को 3 हजार रुपये देने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र के लोगों की दिवाली मीठी करने की जिम्मेदारी सरकार की है। हाल ही में पटोले नामीबिया से आए चीतों को नाइजीरिया का बताकर विवादों में आ गए थे। पटोले ने शनिवार को कहा, प्रदेश कैबिनेट ने राशन कार्ड धारकों के लिए राशन की दुकानों से एक किलो चना दाल, शक्कर, सूजी और पाम तेल दने का फैसला किया है, जिसकी कीमत 100 रुपये होगी। सरकार का दिवाली गिफ्ट बहुत कम है। सरकार को देश में बढ़ रही महंगाई को ध्यान में रखते हुए हर परिवार के खाते में 3 हजार रुपये जमा करने चाहिए।

नासिक में दर्दनाक हादसा, यात्रियों से भरी बस में लगी आग, जिंदा जले 11 लोग

उन्होंने कहा, खासतौर से ऐसे हालात में जब महंगाई तेजी से बढ़ी है, किराने का सामान समेत घर का जरूरी सामान खरीदना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है। 100 रुपये की जो चार चीजें देने का फैसला

सरकार ने किया है, वह पर्याप्त नहीं है और एक परिवार के लिए काफी कम है।

सऊदी से आकर बेटी का रेप करता था पिता, हुई 10 साल की सजा; कोर्ट ने ऐसे खारिज किए दोषी के तर्क

सीएम शिंदे के नाम लिखे पत्र में पटोले ने कहा, एक अति संवेदनशील सीएम होने के नाते आपको राशन कार्ड धारकों के खाते में तीन हजार रुपये डालकर आम लोगों की दिवाली को मीठा करना चाहिए।

सरकार को घेरा

भाषा के अनुसार, शुक्रवार को शिंदे-भाजपा नीत सरकार के 100 दिन पूरे होने पर चुटकी लेते हुए कहा कि इस दौरान उनके नेता सिर्फ गणपति और नवरात्रि पंडालों में गए हैं और सत्तारूढ़ गठबंधन को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि इन 100 दिनों में शिंदे-देवेन्द्र फडणवीस की सरकार ने फॉक्सकॉन-वेदांता सेमीकंडक्टर प्लांट जैसी बड़ी परियोजनाओं को राज्य से भगाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले यह प्लांट महाराष्ट्र में लगना था, लेकिन अब यह पड़ोसी राज्य गुजरात में चला गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अब्दुल्ला ने शाह की तरह न तो कोई आरोप लगाया है और न ही केंद्र की भाजपा सरकार पर कोई आक्रमण किया है। उन्होंने तो अपने बयान में सिर्फ यह बताया है कि उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस ने श्रीनगर में कुल 26 साल राज किया है और उन वर्षों में उसने कश्मीर का काया-पलट कर दिया है।

अमित शाह और फारुक अब्दुल्ला

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

गृहमंत्री अमित शाह ने बारामूला में हजारों कश्मीरियों को साक्षात संबोधित किया और अपने भाषण में आंकड़ों का अंबार लगाकर मोदी-शासन की सफलता का बखान किया लेकिन उन्होंने अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरु-परिवार के शासन को काफी निकम्मा सिद्ध करने की कोशिश की। यह बात तीनों परिवारों को काफी चुभ रही है। नेशनल कांफ्रेंस के नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने तो तुरंत उसका जवाब देने की कोशिश की। महबूबा मुफ्ती और कांग्रेस भी चुप नहीं बैठेगी। शायद गुलाम नबी आजाद भी कुछ बोल पड़ें तो आश्चर्य नहीं होगा। अब्दुल्ला ने शाह की तरह न तो कोई आरोप लगाया है और न ही केंद्र की भाजपा सरकार पर कोई आक्रमण किया है। उन्होंने तो अपने बयान में सिर्फ यह बताया है कि उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस ने श्रीनगर में कुल 26 साल राज किया है और उन वर्षों में उसने कश्मीर का काया-पलट कर दिया है। उनकी सरकार ने न केवल नए-नए कल-कारखाने लगवाए, कई कॉलेज और विश्वविद्यालय बनवाए, अस्पताल खुलवाए, पंचायती राज स्थापित किया, बिजलीघरों और बांधों का निर्माण करवाया। लाखों लोगों को रोजगार दिया और लोक-कल्याण के लिए कई नए संगठन खड़े किए हैं। फारूक अब्दुल्ला ने जो तथ्य और आंकड़े पेश किए हैं, उनकी प्रामाणिकता पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है लेकिन यह भी तथ्य है कि कश्मीर को केंद्र सरकारों ने जितनी मदद दी है, उसमें से कुछ हिस्सा नेताओं और अफसरों की जेब में जाता रहा है लेकिन यह किस सरकार में नहीं होता? कश्मीरी नेताओं पर भ्रष्टाचार के मुकदमे चल रहे हैं तो देश के कई मुख्यमंत्री और मंत्री जेल की हवा भी खाते रहे हैं लेकिन अमित शाह अपने विरोधियों पर जमकर नहीं बरसें तो वे किसी पार्टी के नेता कैसे माने जाएंगे लेकिन अमित शाह और देश के अन्य सभी नेतागण यह भी सोचें कि अपने विरोधियों की सिर्फ भर्त्सना करना और वह भी तीखी भाषा में, क्या यह ठीक है? यदि अमित शाह उनकी भर्त्सना करते-करते यह भी, चाहे दबी जुबान से ही, कह देते कि कश्मीर-जैसी बीहड़ जगह में इन पार्टियों का कुछ न कुछ अच्छा योगदान रहा है तो अब जो दंगल शुरु हो रहा है, वह नहीं होता। इन तीनों परिवारों की सरकारों ने कश्मीर को कभी पाकिस्तान के हवाले करने की बात नहीं की। मैं तो यहां तक कहता हूं कि कश्मीर की सभी पार्टियों और अलगाववादियों से भी भारत सरकार सीधी बात क्यों नहीं चलाए? अमित शाह ने यों भी उन्हें आश्वस्त किया है कि वे जम्मू-कश्मीर में शीघ्र चुनाव करवाना चाहते हैं। वे यह भी न भूलें कि धारा 370 हटाते वक्त शाह ने संसद को आश्वस्त किया था कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा को फिर से शीघ्र ही चालू किया जाएगा।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

मालिक (नौकर से), 'पर तुमने पिछले नौकरी क्यों छोड़ी?'

नौकर, 'परेशानी के कारण।'

मालिक, 'कैसी परेशानी थी तुम्हें?'

नौकर, 'मुझे नहीं, वे लोग मुझसे परेशानी हो गए थे।'

□ □ □

मालिक (नौकर से),'तुमसे बोला था कि वह पैकेट संजू जी के घर दे आना, गए क्यों नहीं।'

नौकर, 'मालिक गया तो था लेकिन पैकेट देता किसे?' उनके घर के बाहर बोर्ड लिखा था 'सावधान, यहां कुत्ते रहते हैं।'

□ □ □

एक मोटी महिला के इलाज के क्रम में परिक्षण के बाद डाक्टर ने कहा, 'आपके रोग का कारण मोटापा है, इसलिए आपको हमेशा कुछ न कुछ करते रहना चाहिए।'

'करती हूं, डाक्टर साहब। मैं हमेशा आराम करती रहती हूं।' मोटी महिला ने जवाब दिया।

□ □ □

पिता, 'बेटा तुम्हें यह ईनाम किस बात के लिए मिला?'

बेटा, 'वाद-विवाद प्रतियोगिता में एक घंटा बोलने पर।'

पिता, 'विषय क्या था।'

बेटा, 'कम बोलने के फायदे।'

आम जन से जुड़ा है डाक विभाग

लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा

जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है। विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह हजारों सालों के लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया।

(9 अक्तूबर विश्व डाक दिवस पर विशेष)

भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी। हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है। 9 अक्तूबर को पूरी दुनिया में विश्व डाक दिवस के तौर पर मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है। विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह हजारों सालों के लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी। पहले डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया डाक का थैला लेकर आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ौसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालो से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे। उस वक्त गांवो में बैक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। इसी तरह रजिस्टर्ड पत्र देते वक्त भी प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर करवाये जाते थे। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बाते ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दुगुनी होती थी। पहले पत्रकारिता में भी जरूरी खबरे तार द्वारा भेजी जाती थी। जिनका भुगतान समाचार प्राप्तकर्ता समाचार पत्रो द्वारा किया जाता था। इस बाबत समाचार पत्र का सम्पादक जिलो में कार्यरत अपने संवाददाताओं को डाक विभाग से जारी एक अधिकार पत्र देता था। जिनके माध्यम से संवाददाता अपने समाचार पत्र को बिना भुगतान किये डाकघर से तार भेजने के लिये अधिकृत होता था। 15 जुलाई 2013 से सरकार ने तार सेवा को बन्द कर दिया। आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द से ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है। बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक, पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। दुनियाभर में इस समय 55 से भी ज्यादा विभिन्न प्रकार की पोस्टल ई-सेवाएं उपलब्ध हैं। भविष्य में पोस्टल ई-सेवाओं की संख्या और अधिक बढ़ायी जायेगी। डाक विभाग से 82 फीसदी वैश्विक आबादी को होम डिलीवरी का फायदा मिलता है। भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दर्शाती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दर्शाती है। डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देश भर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा। जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक भारतीय डाक विभाग के अंतर्गत आने वाला एक विशेष किस्म का बैंक है जो 100 फीसद सरकारी है। आईपीपीबी को पूरे देश में पहुंचाने के लिए पोस्ट विभाग के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का इस्तेमाल किया जाएगा। देश भर में 40 हजार डाकिये हैं और 2.6 लाख डाक सेवक है। आने वाले वक्त में सरकार इन सभी का इस्तेमाल बैंकिंग सेवाओं को घर-घर पहुंचाने के लिए करेगी। भारत की आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को आम आदमी की जरूरतों को केंद्र में रख कर विकसित करने का नया दौर शुरू हुआ था। नियोजित विकास प्रक्रिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी और बेहतरीन डाक प्रणाली बनाया है। राष्ट्र निर्माण में भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। जिससे इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है। आज भी आम आदमी डाकघरों और डाकिये पर भरोसा करता है। तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में आम जनता का इतना जन विश्वास कोई और संस्था नहीं अर्जित कर सकी है। यह स्थिति कुछ सालों में नहीं बनी है। इसके पीछे डाक विभाग के कार्मिको का बरसों का श्रम और लगातार प्रदान की जा रही सेवा छिपी है।

अपनों ने कराई की फजीहत

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान कांग्रेस में चल रहे राजनीतिक घमासान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस आलाकमान के निशाने पर आ गए हैं। उनके अपने चहेते नेताओं द्वारा करवाई गई फजीहत के चलते गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से लिखीत में माफी मांगनी पड़ी। इसके साथ ही सोनिया गांधी के आवास के बाहर आकर मीडिया के समक्ष भी उन्हे बार-बार माफी मांगने की बात दोहरानी पड़ी। ऐसी स्थिति का सामना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने पचास साल के राजनीतिक कैरियर में शायद ही कभी करना पड़ा हो। कुछ समय पहले तक तो मुख्यमंत्री गहलोत कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे थे। उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर कांग्रेस आलाकमान में सर्वसम्मति बन चुकी थी। वही एकाएक घटनाचक्र इतनी तेजी से घुमा की कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तो दूर अब तो उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी भी खतरे में पड़ी नजर आने लगी है। गहलोत समर्थकों ने राजस्थान में जो खेल किया उससे कांग्रेस आलाकमान ही नहीं अन्य सभी लोग भी हक्के बक्के रह गए। किसी को भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सत्ता के लिए ऐसा खेल करने की अपेक्षा नहीं थी। मुख्यमंत्री गहलोत पिछले दो साल से लगातार कहते थे कि मेरा इस्तीफा हमेशा मेरी जेब में पड़ा रहता है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जब भी कहेंगी तुरंत उनको सौंप दूंगा। मगर कांग्रेस अध्यक्ष के कहने से पहले ही गहलोत ने ऐसा राजनीतिक ड्रामा कर दिया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की भी एक बार तो बोलती ही बंद हो गई थी। जब गहलोत को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा रहा था तो उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री के पद का भी साथ ही निर्वहन कर लूंगा। मगर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने गहलोत को उदयपुर में संपन्न हुए चिंतन शिविर में लिए गए एक व्यक्ति एक पद के प्रस्ताव का स्मरण कराते हुए उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ने की बात याद दिला दी। मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बात आने पर गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने में आनाकानी करने लगे। मगर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी उन्हें अपना सबसे विश्वस्त मानकर अध्यक्ष बनाना चाहती थी। ऐसे में गहलोत के समक्ष अध्यक्ष बनने के लिए स्वीकृति देने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। अनमने मन से ही सही अंततः उन्होंने अध्यक्ष बनने के लिए हां कर दी थी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का मानना था कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नामांकन फार्म भरने से पहले गहलोत मुख्यमंत्री पद छोड़ कर एक व्यक्ति एक पद के नियम की पालना कर पार्टी जन के समक्ष एक नायाब उदाहरण प्रस्तुत करें। इस बाबत सोनिया गांधी की गहलोत से बात भी हो गई थी। गहलोत की सहमति से ही उन्होने कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता मल्लिकार्जुन खड़गे व राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर जयपुर भेजा था। ताकि वो सभी विधायकों से व्यक्तिगत रायशुमारी कर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर फैसला छोड़ने का एक लाइन का प्रस्ताव पास करवायें। इस बाबत मुख्यमंत्री आवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक का भी आयोजन किया गया था। जिस दिन कांग्रेस पर्यवेक्षकों को जयपुर आना था उसी दिन सुबह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को लेकर जैसलमेर स्थित तनोट माता के मंदिर में दर्शन करने के लिए रवाना हो गए और वहां से शाम को वापस लौटे। दोपहर को जब दिल्ली से कांग्रेस के दोनों पर्यवेक्षक खड़गे व माकन जयपुर हवाई अड्डे पर उतरे तो उनके स्वागत के लिए कांग्रेस का कोई भी बड़ा नेता उपस्थित नहीं था। यहां तक की प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा की अनुपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस का कोई वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष, राजस्थान सरकार का कोई भी मंत्री, विधायक, जयपुर का मेयर, जिला प्रमुख, प्रधान, पार्षद तक हवाई अड्डे पर उपस्थित नहीं था। उसी दिन शाम सात बजे मुख्यमंत्री आवास पर कांग्रेस विधायक दल के 108 सदस्य व पार्टी को बाहर से समर्थन दे रहे तेरह निर्दलीय विधायकों को विधायक दल की मीटिंग में आमंत्रित किया गया था। मगर उसी दौरान एक खेला हो गया। संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, जलदाय मंत्री व मुख्य सचेतक महेश जोशी व राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने मिलकर एक चाल चली व सभी विधायकों को फोन कर मुख्यमंत्री आवास के बजाय शांति धारीवाल के आवास पर बुला लिया। संसदीय कार्य मंत्री धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी द्वारा फोन करने के कारण 25 मंत्रियों सहित 70-80 विधायक धारीवाल के आवास पर पहुंच गए। जहां धारीवाल, जोशी व राठौड़ ने सभी विधायकों को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाई गई विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने को तैयार कर लिया। अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाने के विरोध में धारीवाल के आवास पर उपस्थित सभी विधायकों के विधायक पद से इस्तीफों पर हस्ताक्षर करवा कर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के आवास पर जाकर उनको सौंप दिए गए। मुख्यमंत्री आवास पर दोनों पर्यवेक्षक, मुख्यमंत्री गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित करीब तीन दर्जन विधायको के साथ अन्य विधायकों के मीटिंग में आने का इंतजार करते रहे मगर कोई भी विधायक वहां नहीं आया। देर रात्रि को पर्यवेक्षक भी होटल लौट गए। देर रात्रि में मंत्री शान्ति धारीवाल, महेश जोशी, प्रताप सिंह खाचरियावास विधायकों के प्रतिनिधि बनकर पर्यवेक्षकों से मिले व कहा कि हम सचिन पायलट व उनके गुट के विधायकों के अलावा किसी को भी मुख्यमंत्री बनाना स्वीकार कर सकते हैं। इस पर पर्यवेक्षकों ने उनसे कहा कि हम सभी विधायकों से वन टू वन मिलकर उनकी राय जान लेते हैं। फिर प्रस्ताव पास कराकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को दे देंगे। मगर धारीवाल जोशी व खाचरियावास ने विधायकों से व्यक्तिगत ना मिलकर ग्रुप में मिलने के लिए दबाव डाला। जिस पर पर्यवेक्षकों ने असहमति व्यक्त कर दी। और बिना विधायकों से मिले ही दिल्ली चले गए। दिल्ली जाकर उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पूरे घटनाक्रम की विस्तृत लिखित रिपोर्ट दे दी। जब पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट सोनिया गांधी को मिली तो उन्होंने जयपुर में हुये घटनाक्रम पर बहुत नाराजगी व्यक्त की। मीडिया में लगातार खबरें आने से पूरे देश में कांग्रेस की किरकिरी हो रही थी।

(चिंतन-मनन)

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है -

बुद्धैय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाच: फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है।

धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लग्जरी कार से भी महंगी है नीता अंबानी के पानी की बोतल!

नई दिल्ली । नीता अंबानी के कपड़ों से लेकर उनकी गाड़ियों तक सभी कुछ लाखों और करोड़ों रुपयों में ही होते हैं। लेकिन क्या आपको पता है नीता अंबानी जो पानी पीती हैं वो कोई साधारण पानी नहीं है। इस पानी की एक बोतल की कीमत लाखों में है। ये इतनी महंगी है कि इतने रुपयों में आप एक अच्छा घर या एक लग्जरी कार खरीद सकते हैं। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक नीता अंबानी जो पानी पीती है उसकी कीमत करीब 60 हजार डॉलर है। भारतीय रुपए में देखें तो ये करीब 44 लाख रुपए का होता है। इतने रुपए में इस पानी की सिर्फ 750 एमएल की ही बोतल मिलती है। नीता खुद को हेल्दी रखने के लिए एक्वा दी` क्रिस्टेलो ट्रिब्यूटो मोदी जिलानी की बोतल से पानी पीती हैं। साल 2010 में इस पानी की बोतल का नाम गिनीज़ बुक्स में सबसे महंगी पानी की बोतल के रूप में दर्ज किया गया था। ये दुनिया की सबसे महंगी बोतलों में से एक है। ये बोतल सोने से बनी होती है। बोतल में मिलने वाला पानी फ्रांस या फ़िजी का होता है। कहते हैं कि इस पानी में 5 ग्राम सोने की भस्म भी मिलाई जाती है, जो शरीर के लिए लाभदायक होती है। अगर इस ब्रांड की सबसे सस्ती बोतल की बात करें तो इसकी कीमत भी करीब 285 डॉलर के आसपास है।

आडी इंडिया की खुदरा बिक्री जनवरी-सितंबर में 29 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी ऑडी की भारतीय इकाई ऑडी इंडिया की जनवरी-सितंबर, 2022 में खुदरा बिक्री 29 प्रतिशत बढ़कर 2,947 इकाई हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ऑडी इंडिया ने जनवरी-सितंबर 2021 में 2,291 इकाइयों की बिक्री की थी। कंपनी ने बयान में कहा कि ई-ट्रॉन, ए4, ए6, और आरएस की क्यू5 के निरंतर मांग के साथ नए ए8 और क्यू7 मॉडलों के आने से बिक्री में वृद्धि हुई। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा` कि पहले नौ महीनों में हमारे प्रदर्शन ने साल के बाकी हिस्सों में मजबूत प्रदर्शन की बुनियाद रखी है। उन्होंने कहा` कि सेमीकंडक्टर की कमी और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में बाधाओं के बावजूद बिक्री में मजबूत वृद्धि हमारे ब्रांड और उत्पाद पोर्टफोलियो के प्रति ग्राहकों को लगाव को दर्शाता है। ढिल्लन ने कहा कि चालू त्योहारी सीजन में कंपनी को अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

भारत में बढ़ रहा चीन का विदेशी पोर्टफोलियो निवेश

नई दिल्ली । भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) के लिहाज से चीन शीर्ष 10 देशों में शो मिल होने के करीब है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत बाजार नियामक सेबी के मुताबिक भारत में चीन का विदेशी पोर्टफोलियो निवेश लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक महामारी की शुरुआत से अभी तक के तिमाही आंकड़े बताते हैं कि 2020 के शुरुआती दिनों में जब प्रतिबंधों पर बात चल रही थी तभी से चीन से एफपीआई बढ़ रहा था। उसके बाद से ही यह बढ़ता जा रहा है। सेबी से मिले आंकड़ों के मुताबिक चीन का एफपीआई निवेश जून 2022 में 80,684 करोड़ रुपए हो गया। यह दसवें सबसे बड़े एफपीआई देश (नीदरलैंड) के निवेश से करीब 20,000 करोड़ रुपए ही कम है। उसी दौरान नीदरलैंड का भारत में एफपीआई निवेश 99,140 करोड़ रुपए था। सरकार ने अप्रैल 2020 में एक अधिसूचना जारी कर भारत के सीमावर्ती देशों की कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। चीन के साथ भू-राजनीतिक तनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया गया था और उसके बाद एफपीआई निवेश पर निगरानी भी कथित तौर पर बढ़ गई थी। ऐसा केवल बाजार में तेजी के कारण नहीं हुआ है क्योंकि एफपीआई संपत्तियों में चीन की हिस्सेदारी भी बढ़ रही है। दिसंबर 2019 में कुल एफपीआई परिसंपत्तियों में चीन की हिस्सेदारी करीब 1.4 फीसदी थी, जो बढ़कर जून 2022 में 1.8 फीसदी हो गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मदद करने वाले एक विशेषज्ञ ने कहा कि कई बड़े देश कर अथवा अनुपालन संबंधी कारणों से दूसरे देशों के रास्ते निवेश करते हैं। यानी कि चीन से सीधे आने वाला एफपीआई निवेश एकमात्र स्रोत नहीं है बल्कि चीन की कंपनियां अन्य देशों के जरिये भी भारत में निवेश कर रही हैं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सप्ताह में दो दिन गिरावट, दो दिन तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोरी के बीच वित्तीय और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली होने से प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिका में रोजगार के आंकड़े जारी होने से पहले, घरेलू बाजार ने अन्य विदेशी बाजारों की ही तरह कमजोरी का रुख दिखाया। बुधवार को विजयदशमी के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे। इसे लिए पिछले सप्ताह केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। जिसमें सप्ताह में दो दिन सोमवार और शुक्रवार को शेयर बाजार में गिरावट और दो दिन मंगलवार और गुरुवार को बढ़त दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार के दौरान 288.8 अंकों की गिरावट के साथ 57,138.12 पर खुला और 638.11 अंक टूटकर 56,788.81 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के मानक सूचकांक निफ्टी में भी शुरुआती कारोबार के दौरान 79.4 अंकों की कमजोरी के साथ 17,014.95 पर खुला और 207 अंक की गिरावट के साथ 16,887.35 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 1,028.28 अंकों की बढत के साथ 57,817.09 पर खुला और 1,276.66 अंक उछलकर 58,065.47 पर बंद हुआ। निफ्टी में शुरुआती कारोबार के दौरान 320.3 अंकों की उछाल के साथ 17,207.65 पर खुला और 386.95 अंक की बढ़त के साथ 17,274.30 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 513.29 अंक चढ़कर 58,578.76 पर खुला और 156.63 अंक चढ़कर 58,222.10 पर बंद हुआ। निफ्टी 154.5 अंक बढ़कर 17,428.80 पर खुला और 57.50 अंक की बढ़त के साथ 17,331.80 पर बंद हुआ।

सेबी तीन कंपनियों की संपत्ति बेचेगी

निवेशकों से गलत तरीके से फंड्स इकट्ठा करने का मामला

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) निवेशकों से गैरकानूनी तरीके से जुटाए गए फंड्स की वसूली के लिए तीन कंपनियों सुमंगल, जीएसएचपी और इंफोकेयर की संपत्तियों की नीलामी करेगी। सेबी ने एक सार्वजनिक नोटिस भी जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि इन कंपनियों की कुल 10 संपत्तियों की 7.68 करोड़ रुपए के रिजर्व्ड प्राइस पर नीलामी की जाएगी। बता दें इन 10 संपत्तियों में से 5 सुमंगल की है। वहीं इंफोकेयर इंफ्रा की 3 कंपनियां हैं और 2 जीएसएचपी रियलटेक की हैं। नीलामी 10 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से शुरू होगी। सेबी ने वसूली की कार्रवाई में संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां भी आमंत्रित की है। सेबी ने कहा है कि यह ऑनलाइन नीलामी होगी, जो 10 नवंबर को सुबह 10:30 बजे से शुरू होने के बाद दोपहर 12:30 बजे तक चलेगी। गौरतलब है कि सेबी की एक जांच में पाया गया कि जीएसएचपी ने 2012-13 में 535 व्यक्तियों से नियामक मानदंडों का पालन किए बिना नॉन-कन्वर्टिबल रिडीमेबल डिबेंचर जारी कर पैसा जुटाया था। वहीं इंफोकेयर ने 90 निवेशकों को नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर आवंटित करके 98.35 लाख रुपए जुटाए थे। जबकि सुमंगल ने अवैध सामूहिक निवेश योजनाओं के माध्यम से निवेशकों से 85 करोड़ रुपये इकट्ठे किए थे। हालांकि सेबी ने 2013 में सुमंगल और जीएसएचपी को और 2016 में इंफोकेयर के साथ-साथ उनके प्रवर्तकों और निदेशकों को जुटाए गए फंड्स को वापस करने का आदेश दिया था। जो वे करने में विफल रहीं।

कर्नाटक में तीन दिन में बंद हो जाएगी ओला, उबर और रैपिडो की आटो सेवा

- ज्यादा किराया लेने और कानून तोड़ने की शिकायतों के बाद राज्य परिवहन विभाग ने की कार्रवाई

नई दिल्ली ।

कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु में उबर, ओला, रैपिडो पर सख्त कार्रवाई की है। सरकार ने इन तीनों ही कंपनियों से अपनी ऑटो सेवाएं 3 दिनों में बंद करने का आदेश दिया है। ज्यादा किराया और कानून तोड़ने की शिकायतों के बाद राज्य परिवहन विभाग ने तीनों कंपनियों को अपनी सेवाएं बंद करने को कहा है। साथ ही तीनों कंपनियों को उनके द्वारा वसूले जा रहे किराए पर रिपोर्ट देने को भी कहा गया है। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने कैब एग्रीगेटर्स की तरफ से चलाई जा रही ऑटो सेवाओं को ऑन डिमांड ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2016 के तहत गैरकानूनी करार दिया है। ट्रांसपोर्ट कमिशे नर टीएचएम कुमार ने कहा कि ऑन-डिमांड ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2016 के प्रावधानों के मुताबिक, एग्रीगेटर्स को कॉन्ट्रेक्ट पर पब्लिक सर्विस परमिट के साथ केवल टैक्सी सेवाएं मुहैया कराने के लिए लाइसेंस दिया जाता है। यहां टैक्सी का मतलब एक मोटर कैब से है। वहीं बताया जा रहा है कि ऑटोरिक्शा सेवा मुहैया कराने के लिए ज्यादा किराया वसूला जा रहा था। कुछ ग्राहकों ने परिवहन विभाग से शिकायत की थी कि ओला और उबर एग्रीगेटर दो किलोमीटर से कम की दूरी के लिए भी 100 रुपए वसूल करती है। शहर में न्यूनतम ऑटो किराया पहले 2 किमी के लिए 30 रुपए और उसके बाद प्रत्येक किलोमीटर के लिए 15 रुपए सरकार ने तय कर रखा है। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर टीएचएम कुमार ने कहा कि सर्ज प्राइसिंग के कारण होने वाली कमाई के ड्राइवर और कंपनी में बंटवारे की प्रक्रिया बताने के लिए भी नोटिस दिया गया है। साथ ही कंपनियों को अवैध ऑटो रिक्शा ऑपरेशंस के बारे में स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। इसका जवाब देने के लिए 3 दिन का समय दिया गया है। इससे पहले 9 सितंबर को कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया ने कहा था कि ओला, उबर और मेरु जैसे कैब एग्रीगेटर्स कंपनियों को सर्ज प्राइसिंग के कारण होने वाली कमाई के ड्राइवर और कंपनी में बंटवारे को लेकर अधिक स्पष्ट और पारदर्शी नीतियां होगी। केंद्र सरकार ने नवंबर 2020 में कैब एग्रीगेटर्स के लिए नई गाइडलाइंस जारी की थी। इसमें यह सिफारिश की गई थी कि बिजी समय या बहुत अधिक मांग की स्थिति में सर्ज प्राइसिंग बेस फेयर का अधिकतम 1.5 गुना हो सकता है। अथॉरिटी ने पिछले साल ऑटो के लिए बेस प्राइस 30 रुपए तय किया था और उसके प्रत्येक किलोमीटर के लिए 15 रुपए किराया तय किया गया था।

ब्रेंट क्रूड 3.71 फीसदी बढ़कर 97.92 डॉलर प्रति बैरल

- पटना-लखनऊ सहित कुछ शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बदलीं

नई दिल्ली ।

पेट्रोल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक प्लस) की ओर से उत्पादन में कटौती के बाद अब कच्चे तेल के दाम फिर से बढ़ने लगे हैं। वै श्विक बाजार में शनिवार को एक बार फिर ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। इससे पहले शुक्रवार को भी दाम में तेजी देखने को मिली थी। ब्रेंट क्रूड की कीमत 3.71 फीसदी बढ़कर 97.92 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। वहीं डब्ल्यूटीआई के दाम में 4.74 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह 92.64 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद भारत में कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम में थोड़ा बदलाव देखने को मिला है। छत्तीसगढ़ में 0.50 रुपए घटकर पेट्रोल 103.08 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.06 रुप पहुंच गया है। गुजरात में पेट्रोल 0.70 रुपए बढ़कर 97.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.87 रुपए हो गया है। इसके अलावा हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में ईंधन की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.60 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.33 रुपए और डीजल 89.53 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपए और डीजल 94.32 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 9वें सप्ताह गिरावट

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार नौवें सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। 30 सितंबर, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 4.854 अरब डॉलर घटकर 532.664 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी` किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 23 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 8.134 अरब डॉलर घटकर 537.518 अरब डॉलर रह गया था। 16 सितंबर, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 5.219 अरब डॉलर घटकर 545.652 अरब डॉलर रह गया। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सार्वको लिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक 30 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समाप्त हुए सप्ताह में भारत की एफसीए 4.406 अरब डॉलर घटकर 472.807 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। इसके अलावा समाप्त हुए सप्ताह में गोल्ड रिजर्व का मूल्य 28.1 करोड़ डॉलर घटकर 37.605 अरब डॉलर रह गया। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (एमआईएफ) में देश का स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 16.7 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 17.427 अरब डॉलर रह गया।

पीएनजी और सीएनजी की कीमतें तीन रुपए बढ़ीं

- दिल्ली में सीएनजी अब 78.61 रुपए प्रति किलो, पीएनजी 53.59 रुपए प्रति एससीएम

नई दिल्ली।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने दिल्ली-एनसीआर समेत कुछ अन्य शहरों में 8 अक्टूबर से घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और सीएनजी की कीमतों में इजाफा कर दिया है। कंपनी ने सीएनजी के दाम 3 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ा दिए हैं। मूल्य वृद्धि के बाद दिल्ली में सीएनजी अब 78.61 रुपए प्रति किलोग्राम की हो गई है। वहीं पीएनजी की कीमत में दिल्ली में 53.59 रुपए प्रति एससीएम (स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर) हो गई है। दिल्ली के अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी 81.17 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं पीएनजी उपरोक्त तीन शहरों में यह 53.46 रुपए प्रति एससीएम हो गई है। इनके अलावा भी कई शहरों में सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में इजाफा हो गया है। मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी 85.84 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। गुरुग्राम में 86.94 रुपए, रेवाड़ी में 89.07 रुपए, करनाल में 87.27 रुपए, कैथल में 87.27 रुपए, कानपुर, हमीरपुर व फतेहपुर में 89.91 रुपए और अजमेर, पाली व राजसमंद में 88.88 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। करनाल और रेवाड़ी में पीएनजी अब 52.40 रुपए प्रति एससीएम हो गई है। इसके अलावा गुरुग्राम में 51.79 रुपए, मुजफ्फरनगर, मेरठ व शामली में 56.97 रुपए, अजमेर, पाली व राजसमंद में 59.23 रुपए और कानपुर, हमीरपुर व फतेहपुर में यह 56.10 रुपए हो गई है। बता दें कि 30 सितंबर को केंद्र सरकार ने नेचुरल गैस की कीमत में 40 फीसदी की इजाफा किया था जिसके बाद इसकी कीमत अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। इसके बाद से सीएनजी व पीएनजी की कीमतों में वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा था। नेचुरल गैस का इस्तेमाल, कुकिंग गैस, उर्वरक-बिजली उत्पादन व वाहनों के ईंधन के रूप में होता है। नेचुरल गैस की कीमत 30 सितंबर को 6.1 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) से बढ़ाकर 8.57 एमएमबीटीयू कर दी गई थी। ये नेचुरल गैस के दाम में अप्रैल 2019 के बाद तीसरी बढ़ोतरी थी। गौरतलब है कि सरकार हर 6 महीने पर नेचुरल गैस की कीमतों की समीक्षा करती है।

नोकिया ने लांच किया नया 5 जी स्मार्टफोन, जिसका मजबूती के मामले में कोई मुकाबला नहीं

नई दिल्ली । फिनलैंड की टेक कंपनी नोकिया ने एक नया स्मार्टफोन लॉन्च किया है, जो मजबूती के मामले में सभी को पीछे छोड़ देगा। नोकिया एक्सआर 20 इंडस्टिरयल एडीशन को हर तरह के मुश्किल हालात का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह डिवाइस जुलाई,2021 में एचएमडी ग्लोबल की ओर से लॉन्च किए गए नोकिया एक्सआर 20 का बेहतर वर्जन है। नया नोकिया स्मार्टफोन भी एचएमडी ग्लोबल की ओर से लॉन्च किया गया है और इसे अन्य विकल्पों के मुकाबले मजबूत बनाने के लिए हाई-एंड फीचर्स दिए गए हैं। रग्ड स्मार्टफोन के तौर पर इस डिवाइस को एटेक्स, आईईसीई, एनईसी500 और यूएल सर्टिफिकेशन मिले हैं। ये सर्टिफिकेशन साबित करते हैं कि नए डिवाइस को मुश्किल हालात और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह फोन जमीन पर गिरने या भीगने जैसी स्थितियों में खराब नहीं होगा। नोकिया एक्सआर 20 इंडस्ट्रियल एडिशन को न सिर्फ घर के बाहर टूटने या खराब होने के डर के बिना इस्तेमाल किया जा सकता है, बल्कि इसे ऐसी जगह भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जहां रसायनों की मदद से काम होता है या फिर छोटे धमाके होते हैं। धूल भरी खदानों, फैक्ट्रियों, मैकेनिकल वर्कशॉप और अन्य खतरनाक जगहों पर भी इस फोन को इस्तेमाल किया जा सकेगा और इसके खराब होने का डर परेशान नहीं करेगा। खतरनाक लोकेशंस पर आपस में जुड़े रहने के लिए यूजर्स को इस स्मार्टफोन में खास फीचर्स भी दिए गए हैं। वे नोकिया टीम कॉम्स या फिर ग्रुप कम्युनिकेशन जैसी ऐप्स की मदद से पुश-टू-टॉक और वीडियो कनेक्टिविटी फीचर्स का फायदा उठा सकेंगे। खास बात है कि 5जी कनेक्टिविटी के अलावा नोकिया स्मार्टफोन प्राइवेट वायरलेस नेटवर्क को भी सपोर्ट करते हैं। यानी कि इनका इस्तेमाल वॉकी-टॉकी की तरह भी किया जा सकेगा। नोकिया एक्सआर 20 इंडस्ट्रियल एडिशन फोन की कीमत या उपलब्धता से जुड़ी जानकारी से कंपनी ने अभी पर्दा नहीं उठाया है। इतना जरूर साफ है कि इसे चुनिंदा मार्केट्स में ही लॉन्च किया जाएगा और अलग-अलग इंडस्ट्रीज को इसका फायदा मिलेगा।

शाओमी ने बैंक जमा जब्त किए जाने के खिलाफ फिर अदालत का रुख किया

बेंगलुरु ।

चीन की कंपनी शाओमी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने बैंक खातों में जमा अपनी रकम जब्त किए जाने के मामले में एक बार फिर कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। कंपनी ने तीन अक्टूबर को दायर एक याचिका में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत गठित सक्षम प्राधिकारी की तरफ से जब्ती आदेश की पुष्टि करने संबंधी 29 सितंबर 2022 के आदेश को चुनौती दी है। सक्षम प्राधिकारी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 29 अप्रैल को दिए गए जब्ती आदेश की पुष्टि कर दी है। ईडी ने इस साल की शुरुआत में शाओमी के बैंक खातों में जमा 5,551.27 करोड़ रुपए जब्त करने का आदेश दिया था। यह आदेश कथित तौर पर फेमा नियमों का उल्लंघन करने और रॉयल्टी भुगतान की आड़ में भारत के बाहर तीन कंपनियों को धनराशि भेजने के लिए दिया गया था। शाओमी ने इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, अदालत ने उसे फेमा के तहत सक्षम प्राधिकारी से संपर्क करने को कहा था। न्यायमूर्ति एनएस संजय गौड़ा की अवकाश पीठ ने गुरुवार को शाओमी की याचिका पर सुनवाई की। शाओमी ने न्यायालय से अंतरिम आदेश जारी करने का अनुरोध किया, लेकिन उसकी तरफ से सक्षम प्राधिकारी के आदेश की प्रति पेश नहीं की गई। कंपनी ने इससे भी छूट देने की मांग की। हालांकि अदालत ने चार सप्ताह के भीतर शाओमी को इस आदेश की प्रति पेश करने को कहा। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एम बी नरगुंड और अधिवक्ता मधुकर देशपांडे ने हाईकोर्ट को बताया कि कंपनी को अदालत से संपर्क करने के बजाय सक्षम प्राधिकारी के आदेश के खिलाफ अपीलीय प्राधिकारी से संपर्क करना चाहिए था।

ब्रिटेनिया ने केन्याई कंपनी का किया अधिग्रहण, जल्द शुरू करेगी केन्या में बिस्कुट का उत्पादन

नई दिल्ली (तमिलनाडु)।

जल्दी ही केन्या के लोगों को भी ब्रिटानिया के बिस्किट खाने को मिलेंगे। भारत की सबसे बड़ी कुकी निर्माता कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अफ्रीका में विस्तार करने की तैयारी कर ली है। अपनी इस योजना के तहत ब्रिटानिया ने केन्या में ऑपरेशन के लिए एक डील की है। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने केन्या की केनाफ्रिक बिस्कुट लिमिटेड में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। इस कदम से कंपनी को एक विनिर्माण आधार स्थापित करने और अफ्रीकी बाजारों में बिक्री का विस्तार करने में मदद मिलेगी। नियामकीय सूचना के अनुसार कंपनी ने पूर्ण स्वामित्व वाली ब्रिटानिया एंड एसोसिएट्स (दुबई) प्राइवेट कंपनी लिमिटेड (बीएडीसीओ) ने केनाफ्रिक बिस्कुट लिमिटेड (केबीएल) में 51 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। ब्रिटानिया ने 13.87 करोड़ केन्याई शिलिंग्स (केईएस) यानी 9.2 करोड़ रुपये में यह अधिग्रहण किया है।

ब्रिटानिया 130 साल पुरानी कंपनी है। ब्रिटानिया अफ्रीका में अपना कारोबार बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसकी वजह है कि अफ्रीका में सरकारें अपने उद्योगों का विस्तार करना चाहती हैं और उन उत्पादों के आयात को कम करना चाहती हैं, जिन्हें स्थानीय रूप से बनाया जा सकता है। बता दें कि ब्रिटानिया ने हाल ही में रजनीत कोहली को कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। रजनीत कोहली निवर्तमान सीईओ वरुण बेरी की जगह लेंगे। कंपनी के मुताबिक बेरी को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के पद पर प्रमोट किया गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने खेल के लिए दिये 100 करोड़

प्रयागराज । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी देश के क्षमताओं में खेल की शक्ति को भी देखा जाता है। मुख्यमंत्री यहां प्रयागराज में अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के स्वर्ण जयंती वर्ष पर हुए खेल महोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान ओलंपिक से लेकर सभी खेलों में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों द्वारा किए गए प्रदर्शन से उस देश की क्षमता का अंदाजा लग जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज को अब तक हम संगमनगरी के रूप में जानते हैं, वहीं अमिताभ बच्चन खेल परिसर के स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रयागराज की अलग पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए सरकार ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, ओपन जिम की स्थापना करवा रही है। इसके साथ ही निजी खेल अकादमी चलाने वालों को भी राज्य सरकार प्रोत्साहित करेगी। आज खेलों के लिएपैसे की कमी नहीं बल्कि पैसों का सही समायोजन होना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक राज्य सरकार यहां के खेलों में सहयोग करती रही थी, वहीं प्रयागराज में खेलों की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए 100 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसमें से 60 करोड़ रुपये खेल परिसरों के लिए खर्च किए जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में जीत के साथ सीरीज में वापसी के लिए उतरेगी भारतीय टीम

रांची ।

टीम इंडिया यहां रविवार को मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में जीत के साथ ही सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह सीरीज में 1-0 से पीछे हैं। पहले मैच में संजू सैमसन की शानदार पारी के बाद भी भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। तेज गेंदबाज दीपक चाहर टखने की चोट के कारण इस मैच में भी नहीं खेलने। इससे टीम को झटका लगा है क्योंकि वह गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। । वहीं पहले एकदिवसीय मोहम्मद सिराज और आवेश खान अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाये थे। ऐसे में इस मैच में नये तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को अवसर मिल सकता है। वहीं इस सीरीज के लिए उपकप्तान बने श्रेयस अय्यर इस मैच में भी पहले एकदिवसीय की तरह ही अच्छे रन बनाकर टी20 विश्व कप के लिए अपनी संभावनाएं बढ़ाना चाहेंगे। इसका कारण है कि अय्यर टी20 विश्व कप के लिए रिजर्व बल्लेबाजों में से है। टीम के लिए पहले मैच में राहत की बात यह रही कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का प्रदर्शन अच्छा रहा। सैमसन ने 63 गेंद में 86 रन बनाये और मध्यक्रम को स्थिरता दी। वहीं कप्तान शिखर धवन इस मैच में शुभमन गिल के साथ टीम को अच्छी शुरुआत देना चाहेंगे। वह और शुभमन इस मैच में बड़ा स्कोर बनान चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की दक्षिण अफ्रीका टीम इस मैच में भी जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी। इस मैच में जीत से उन्हें सुपर लीग के लिए अंक मिलेंगे जिससे उन्हें अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा। टीम के लिए चिन्ता की बात यह है बावुमा लय में नहीं हैं जिससे टीम के लिए बड़ा स्कोर बनाना कठिन हो रहा है। वहीं पिछले मैच में शानदार पारी खेलने वाले डेविड मिलर से टीम को इस बार भी अच्छे रनों की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं। :

भारत:

शिखर धवन (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, रजत पाटीदार, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, शारदुल ठाकुर, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, मुकेश कुमार, आवेश खान, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर।

दक्षिण अफ्रीका:

तेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज जानेमन मालन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्खिया, वेन पार्नेल, एंडिले फेहलुकवेओ, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबाडा, तबरेज शम्सी।

महिला एशिया कप : शैफाली की शानदार पारी से भारतीय टीम जीती

सिलहट ।

शैफाली वर्मा की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में मेजबान टीम बांग्लादेश को 59 रनों से हराकर अंकतालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 5 विकेट पर 159 रन बनाये। इस प्रकार बांग्लादेश को जीत के लिए 160 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश की महिला टीम सात विकेट पर केवल 100 रन ही बना पायी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 59 रनों से मुकाबला अपने नाम किया। मेजबान टीम की ओर से केवल कप्तान निगार सुल्ताना 36 और फरगना हक 30 रन बना पायीं। वहीं अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायीं और सस्ते में ही सिमट गयीं। भारत की ओर से शैफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले भारतीय टीम की कप्तानी कर रही स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए शैफाली वर्मा ने केवल 44 गेंदों पर 55 रनों की तेज पारी खेली, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स ने नाबाद 35 रन बनाए। शैफाली के अलावा मंधाना ने 38 गेंदों में 47 रन बनाये। इसके बाद जेमिमा और दीप्ति शर्मा ने 2.3 ओवर में ही 29 रन बना दिये। दीप्ति ने 10 रन बनाये। शैफाली को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। भारतीय टीम ने इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिया है और ऐसे में स्मृति मंधाना टीम की कप्तानी करेंगे। इस मैच में हरमनप्रीत कौर के अलावा भारतीय टीम ने शैफाली वर्मा , किरण नवगिरे को शामिल किया जबकि हेमलता और राधा यादव को भी आराम दिया है। वहीं मेजबान टीम ने शमीना सुल्तान की जगह लता मंडल को जगह दी।

अकादमी की नीरू ने साधा सोने पर निशाना

भोपाल। 36वाँ राष्ट्रीय खेल गुजरात में चल रहे राष्ट्रीय खेलों में शुक्रवार से शुरू हुई शूटिंग प्रतियोगिता में महिलाओं के शॉटगन ट्रैप इवेंट में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी ऑफ एक्सलेंस की नीरू ढांडा ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि यह पहला मौका है जब राष्ट्रीय खेलों में शाट्गन इवेंट में पहली बार स्वर्ण पदक मिला है। मध्यप्रदेश के नए नेशनल गेम रिकॉर्ड होल्डर तैराक अद्वैत पागे ने शुक्रवार को पुनः 400 मीटर फ्री स्टायल स्विमिंग में रजत पदक हासिल किया है। राष्ट्रीय खेलों में अब तक अद्वैत ने 4 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीते हैं। मध्यप्रदेश ने 36वें राष्ट्रीय खेलों में अब तक 10 स्वर्ण, 11 रजत और 12 कांस्य के साथ कुल 33 पदक हासिल किए हैं।

टी20 विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय टीम

सिडनी ।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप के लिए 14 सदस्यीय दल के साथ ऑस्ट्रेलिया तो पहुंच गयी है पर कप्तान रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों का चयन रहेगा। इसका कारण है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा जैसे खिलाड़ी इस टीम में नहीं हैं। वहीं अब ऑलराउंडर दीपक चाहर के भी चोटिल होने की रिपोट आई है। ऐसे में टीम इंडिया के लिए यहां जीत की राह बनाना आसान नहीं रहेगा हालांकि इसके बाद भी रोहित की अगुवाई में पहुंची टीम इंडिया को कम नहीं आंका जा सकता। टीम के पास हार्दिक पंड्या सहित कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं। अब सवाल उठता है कि घायल टीम इंडिया आखिर कैसे टी-20 विश्वकप के मिशन में सफलता होगी। टीम इंडिया को टी-20 विश्वकप से पहले ही झटका लगना शुरू हो गया था, जब एशिया कप में जडेजा को चोट लगी थी। जडेजा पहले एशिया कप से बाहर हुए और उसके बाद टी-20 विश्वकप से भी बाहर हो गए। जडेजा टीम के एक मुख्य ऑलराउंडर हैं, जो बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण के अलावा अपने क्षेत्ररक्षण से भी टीम का दबदबा बना देते हैं। जडेजा के बाद टीम इंडिया को बड़ा झटका तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के रूप में लगा। कमर की चोट के कारण बुमराह विश्वकप से से बाहर हैं। ऐसे में वह करीब 6 महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे. बुमराह चोट की वजह से एशिया कप में भी नहीं खेले थे, उसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया सीरीज में वापसी पर केवल दो मैच ही खेल पाये। वहीं स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर रखे चाहर से उम्मीद थी कि वह बुमराह की जगह टीम में आ सकते हैं पर अब वह भी चोटिल हो गए हैं और ऐसे में मोहम्मद शमी या मोहम्मद सिराज में से किसी एक को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। टीम के लिए राहत की बात यह है कि युवा खिलाड़ी दीपक हुड्डा अब पूरी तरह से फिट हो गये हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में आराम दिया गया था।

टी-20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम:

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, आर. अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह.

स्टैंडबाय खिलाड़ी: मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई, दीपक चाहर।

संक्षिप्त समाचार

चाहर के घुटने में चोट लगी , टी20 विश्व कप में खेलना संदिग्ध

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर का भी ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार चाहर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए पहले एकदिवसीय मुकाबले से पूर्व हुए अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। टीम इंडिया पहले ही मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह व ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के विश्व कप से बाहर होने से परेशान है। अब अगर चाहर भी बाहर होते हैं तो भारतीय टीम का गेंदबाजी आक्रमण प्रभावित होना तय है। अब तक माना जा रहा था कि बुमराह की जगह पर चाहर को शामिल कर लिया जाएगा। चाहर की चोट कितनी गंभीर है अभी इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'चाहर के टखने में अभ्यास सत्र के दौरान चोट आई है हालांकि यह ज्यादा गंभीर नहीं नजर आ रही है। इसके बाद भी उन्हें कुछ दिनों के लिए आराम दिया जा सकता है। ऐसे में अब टीम प्रबंधन को देखना होगा कि उन्हें शामिल किया जाए या नहीं क्योंकि उन्हें टी20 विश्व कप के लिए स्टैंड बाई खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है।' गौरतलब है कि चाहर हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में शानदार लय में नजर आए थे। उन्होंने युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

इंग्लैंड क्रिकेट में फिर उठा नस्लवाद का मामला

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सख्ता रवैये के बाद भी देश में नस्लवाद के मामले थम नहीं रहे है। अब एक बड़े क्रिकेटर पर नस्लवाद के आरोप लगे हैं हालांकि इस क्रिकेटर का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। ईसीबी इस मामले की जांच में लगा हुआ है। उसका कहना है कि किसी भी खिलाड़ी को दोषी पाये जाने पर छोड़ा नहीं जायेगा। ईसीबी ने पिछले एक साल में नस्लवाद को रोकने के लिए कई कदम उठाये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ईसीबी ने करीब तीन सप्ताह पहले इस मामले की जांच शुरू की थी। अभी वह और गवाहों की तलाश कर रही है। ईसीबी का मानना है कि इस प्रकार की घटनाओं से खेल को नुकसान पहुंचता है। काउंटी क्रिकेट में भी नस्लवाद के कई मामले समय-समय पर सामने आये हैं। जिसमें दोषी खिलाड़ियों को सजा भी दी गयी है। इंग्लैंड टीम अभी ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में लगी है। जोस बटलर की कप्तानी में टीम विश्व कप से पहले तीन मैचों की एक सीरीज मेजबान ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। इससे उसे हालतों के अनुसार ढ़लने में सहायता मिलेगी।

उत्तम की कप्तानी में सुल्तान जौहर कप में उतरेगी भारतीय जूनियर हॉकी टीम

नई दिल्ली ।

उत्तम सिंह की कप्तानी में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 22 अक्टूबर से मलेशिया में शुरु हो रहे सुल्तान जौहर कप में उतरेगी। इसके लिए शनिवार को हॉकी इंडिया ने 18-सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम घोषित कर दी। की। सुल्तान जौहर कप में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण अफ्रीका, मेज़बान मलेशिया और गत चैंपियन इंग्लैंड भाग ले रही हैं। इसमें कप्तानी कर रहे उत्तम ने जूनियर विश्व कप 2021 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। एशिया कप 2022 में उन्होंने सीनियर टीम की ओर से खेला था। इस टीम की उपकप्तानी बॉबी सिंह धामी को दी गयी है। डिफेंडर के तौर पर आमिर अली, शार्दानंद तिवारी, रोहित, अमनदीप लाकड़ा, साइरिल लुगुन के साथ गोलकीपर मोहित एचएस और अंकित मलिक को रखा गया है। वहीं फारवर्ड पंक्ति की कमान कप्तान उत्तम के साथ ही अंगत बीर सिंह, अरैजीत सिंह हुंडल, उपकप्तान बॉबी सिंह और सुदीप चिरमाको के पास रहेगी।

कोरोना महामारी के कारण यह टूर्नामेंट पिछले दो सात से नहीं हो पाया था। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 22 अक्टूबर को मलेशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद भारत का मैच दक्षिण अफ्रीका से 23 अक्टूबर, जापान से 25 अक्टूबर, ऑस्ट्रेलिया से 26 अक्टूबर और ब्रिटेन से 28 अक्टूबर को होगा। फाइनल 29 अक्टूबर को खेला जायेगा।

भारतीय टीम के कोच सीआर कुमार ने कहा कि टीम इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम इस प्रकार है

मोहित एच.एस, अंकित मलिक, आमीर अली, शारदानन्द तिवारी, रोहित, अमनदीप लाकड़ा, सिरिल लुगुन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अंकित पाल, पूवन्ना सीबी, अमनदीप, जॉनसन पुरथी, उत्तम सिंह (कप्तान), अंगद बीर सिंह, अरिजीत सिंह हुंडाल, बॉबी सिंह धामी (उप कप्तान), सुदीप चिर्मको शादाब ।

विश्वकप में शीर्ष रैंकिंग टीम रहेगी ब्राजील

ज्यूरिख । ब्राजील टीम इस साल इस साल कतर में 20 नवंबर से शुरू होने वाले फीफा विश्व कप में शीर्ष रैंकिंग टीम के तौर पर उतरेगी। ब्राजील ने गत माह घाना और ट्यूनीशिया से दो अभ्यास मैच में मिली जीत के बाद बेल्जियम पर अपनी बढ़त बढ़ा ली है जिससे अब वह शीर्ष रैंकिंग टीम बन गयी है। वहीं बेल्जियम को नेशन्स लीग के दो में से एक मैच में नीदरलैंड के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। पूर्व चैम्पियन अर्जेंटीना तीसरे नंबर पर है जबकि 2018 विश्व कप चैम्पियन फ्रांस को चौथा स्थान मिला है। मेजबान कतर 50वीं रैंकिंग की टीम है वह सऊदी अरब 51वीं रैंकिंग केवल एक स्थान ऊपर है। वहीं घाना की टीम 61वें स्थान से विश्व कप में निचली रैंकिंग की टीम रहेगी। विश्व कप में ग्रुप बी रैंकिंग के हिसाब से काफी बेहतर है जिसमें शामिल सभी चार टीमें शीर्ष 20 में शामिल है। इसमें इंग्लैंड (पांचवीं), अमेरिका (16वीं), वेल्स (19वीं) और ईरान (20वीं) रैंकिंग की टीमें हैं। वहीं इटली की टीम एक स्थान के लाभ के साथ ही रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंच गयी है पर वह विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर पायी है। यह दूसरी बार है जब शीर्ष टीमों में होने के बाद भी इटली लगातार दो चरण में विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर पायी। वहीं स्पेन की टीम एक स्थान के नुकसान से सातवें स्थान पर है जबकि शीर्ष 10 की अन्य टीमों नीदरलैंड, पुर्तगाल और डेनमार्क की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

अमेरिका में फुटबॉल मैच के दौरान गोलीबारी से तीन घायल

टोलेडो । इंडोनेशिया , अर्जेंटीना के बाद अब अमेरिका में एक फुटबॉल मैच में हिंसा की खबरें हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओहायो के टोलेडो में शुक्रवार रात व्हिटमोर हाई स्कूल फुटबॉल स्टेडियम के बाहर हुई गोलीबारी में तीन लोगों को गोली मार दी गई। इस गोलीबारी के बाद स्टेडियम के स्टैंड में भीगदड़ मच गयी। वहीं पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार व्हिटमोर एचएस फुटबॉल स्टेडियम के बाहर कम से कम तीन लोगों को गोली लगी है जिसमें एक महिला भी है। गोलीबारी होती ही खेल रोक दिया गया और पुलिस ने हालात को संभालने के प्रयास शुरु कर दिये। गोलीबारी के समय व्हिटमोर हाई स्कूल और सेंट्रल कैथोलिक हाई स्कूल के बीच मैच चल रहा था। इस घटना के बाद स्कूल ने एक बयान जारी करके फायरिंग की घटना पर दुख जताया है। स्कूल ने अपने बयान में कहा कि 'हमें इस बात का गहरा दुख है कि हिंसा की एक घटना के कारण तीन लोग घायल हुए और मैच में भी बाधा आई। इस प्रकार की घटनाएं हमारे लिए एक बुरे सपने की तरह है जो कोई नहीं चाहेगा। हमें उम्मीद है कि इस घटना के दोषी पकड़े जाएंगे और उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलेगी।

भारतीय टीम टी20 विश्व कप मुकाबले में पाक पर भारी पड़ेगी : बांगर

नई दिल्ली ।

पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि भारतीय टीम पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में परंपरागत विरोधी टीम पाकिस्तान पर भारी पड़ेगी। विश्व कप में भारत और पाक की टीम 23 अक्टूबर को आमने-सामने होगी। इसमें भारतीय टीम बल्लेबाजी विभाग में पाकिस्तान की तुलना में कहीं बेहतर हालत में है। बांगर ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा की टीम हाल में मिली जीत से अब अच्छी लय में आ गयी है। भारत और पाक की टीम एक माह बाद ही तीसरी बार आमने-सामने होंगीं। दोनो ही टीमों के बीच पिछले माह एशिया कप में दो मुकाबले हुए थे। इसमें से भारत ने एक जबकि पाक ने भी एक ही मैच जीता। अब दोनो ही टीमें एक बार फिर मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) में आमने-सामने होंगी। बांगर ने कहा कि भारतीय टीम बल्लेबाजी के मामले में पाक से कहीं बेहतर है। भारतीय टीम के पास रोहित शर्मा, विराट कोहली, लोकेश राहुल और सूर्यकुमार यादव जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार ने हाल के दिनों में काफी आक्रामक क्रिकेट खेली है। वहीं दूसरी ओर पाक के पास कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान जैसे बल्लेबाज हैं पर पाक टीम का मध्य क्रम अच्छा नहीं है जिसका लाभ भारतीय गेंदबाज उठा सकते हैं। पाक टीम की बल्लेबाजी आजम और रिजवान पर निर्भर है पर भारत के साथ ऐसा नहीं है। भारतीय टीम के पास चार या पांच मैच विजेता हैं। बांगर ने कहा, बल्लेबाजी के नजरिए से मुझे लगता है कि भारतीय टीम बेहतर स्थिति में है। बांगर ने हालांकि माना कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाहर होने से भारतीय टीम गेंदबाजी में पाक से कुछ पिछड़ गयी है हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम के पास जीत दर्ज करने की पूरी क्षमता है। टीम इंडिया के पास दीपक चाहर जैसा ऑलराउंडर है। चाहर तेज गेंदबाजी के साथ ही आक्रमक बल्लेबाजी भी करते हैं। इसके अलावा टीम के पास युवा अर्शदीप सिंह जैसे उभरते हुए तेज गेंदबाज हैं। बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप अपनी स्विंग गेंदबाजी और डेथ ओवरों में मारक क्षमता के कारण मैच विजेता बनकर उभर सकते हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो भारतीय टीम कौशल के मामले पर पाक पर भारी है।

बीसीसीआई की तरह ही महिला टी20 लीग शुरु करेगा पीसीबी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की तर्ज पर महिला टी20 लीग शुरु करने की घोषणा की है। पीसीबी ने कहा है कि 3 मार्च से रावलपिंडी स्टेडियम में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आठवें सत्र के साथ ही महिला टी20 लीग भी चलेगी। पीसीबी अध्यक्ष रमिज राजा ने एक आधिकारिक बयान में कहा मुझे महिला लीग की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह लीग युवा महिला क्रिकेटरों को इस महान खेल की ओर आकर्षित करेगी और हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को अपने कौशल को और निखारने में सहायता करेगी क्योंकि इससे उन्हें विदेशी खिलाड़ियों के साथ डग-आउट साझा करने का अवसर मिलेगा। महिला टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट में शामिल होने के लिए तैयार उद्घाटन महिला लीग का फाइनल, 12 लीग मैचों के बाद शीर्ष दो टीमों के बीच खेला जाएगा। यह फाइनल पीएसएल के आठवें सत्र के फाइनल से एक दिन पहले ही होगा। वहीं महिला लीग के कुछ मैच पीएसएल के आठवें सत्र से पहले होंगे, यह नौ फरवरी से 19 मार्च तक चलेंगे। पीसीब प्रमुख ने कहा, हमारी महिला क्रिकेटर्स जितना अधिक उच्च दबाव वाले आयोजनों में भाग लेंगी, उतना ही वे बेहतर होकर उभरेंगी। पीसीबी महिला टीम कभी शीर्ष पर पहुंचने के सभी प्रयास करेगी।

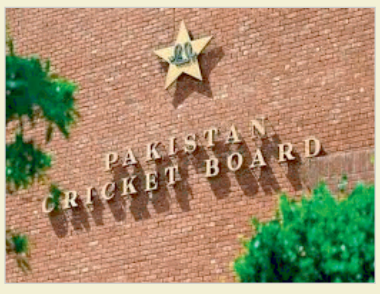

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

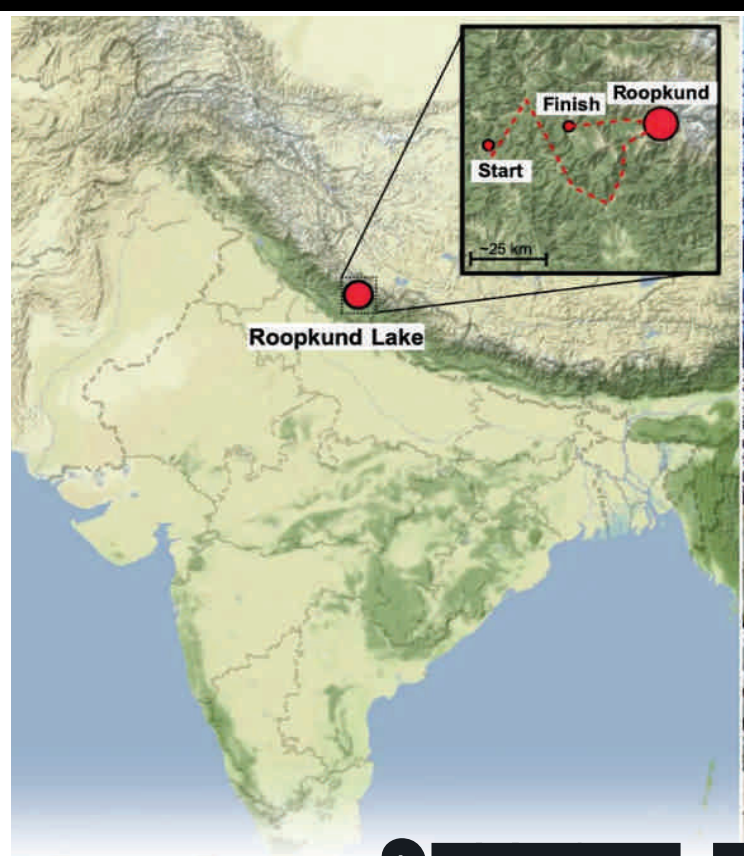

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली

रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ़ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है.

साल के ज्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ़ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी ख़ारिज हो गईं जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आख़िर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्ने कहती हैं, जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं.

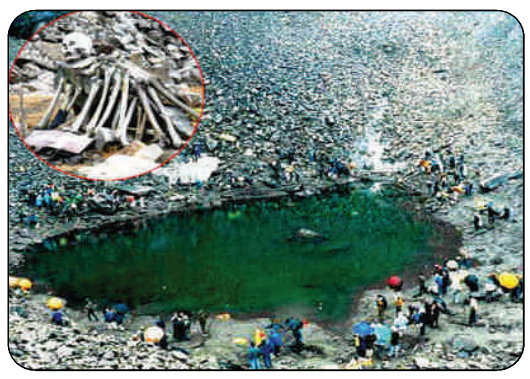

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था। शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों हैं? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गईं थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी। वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं। झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आख़िर इस इलाक़े की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आख़िर तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाक़े के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफ़र तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाक़े में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

थाईलैंड के डे केयर सेंटर में फायरिंग की घटना पर देशवासियों ने जताया शोक

पूर्वोत्तर थाईलैंड के एक 'डे केयर सेंटर' में एक पूर्व पुलिसकर्मी द्वारा की गई गोलीबारी में दर्जनों बच्चों और शिक्षकों की मौत के बाद रिश्तेदारों ने शुक्रवार को शोक व्यक्त करने के लिए वहां फूल बिछाए। हमला पूर्वोत्तर थाईलैंड स्थित नोंग बुआ लाम्फू शहर में हुआ जो देश के सबसे गरीब इलाकों में से एक है। हमले के बाद से पूरा देश स्तब्ध एवं शोकग्रस्त है। थाईलैंड के इतिहास में सबसे खूनी हमले में कम से कम 36 लोगों की मौत हुई है। इसमें 24 बच्चे शामिल थे। हमले में अपनी गर्भवती पत्नी को खो देने वाले सेक्सन श्रीराज (28) ने कहा, ''मैं तब तक रोता रहा जब तक मेरी आंखों से आंसू सूख नहीं गये। मेरी पत्नी इसी माह मेरे बच्चे को जन्म देने वाली थी। दोनों मुझसे हमेशा के लिए दूर हो चुके हैं और मैं अकेला रह गया हूं। अंतहीन पीड़ा के साथ जीवन कैसे गुजरेगा? '' सफेद वर्दी में शाही और सरकारी प्रतिनिधियों ने शुक्रवार की सुबह केंद्र के मुख्य द्वार के समक्ष औपचारिकताएं पूरी कीं।

आधिकारिक ध्वज को शोक के मद्देनज़र आधा झुका दिया गया था। उनके पीछे विलाप करते परिजन थे, जिन्होंने फर्श पर सफेद फूल रखने से पहले परिजन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए हाथ जोड़े। पुलिस ने संदिग्ध हमलावर की पहचान 34 वर्षीय पूर्व पुलिस अधिकारी पन्या कामराप के तौर पर की है। पुलिस मेजर जनरल पैसल लुइसोमबून ने पीपीटीवी को दिए साक्षात्कार में बताया कि संदिग्ध को मादक पदार्थ संबंधी आरोपों के कारण इस साल के शुरु में बर्खास्त कर दिया गया था। उसे मादक पदार्थ के मामले में शुक्रवार को अदालत में पेश होना था। प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओचा डे केयर सेंटर गए। समझा जाता है कि थाईलैंड के राजा महा वजरालोंगकोर्न और रानी सुतीदा उस अस्पताल का दौरा करेंगे जहां गोलीबारी में घायल हुए दस लोगों में से सात का इलाज चल रहा है। हमले के बाद से दुनिया भर से लोगों ने समर्थन और संवेदनाएं ज़ाहिर कीं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ट्वीट किया, ''समस्त ऑस्ट्रेलिया की तरफ से प्यार और संवेदनाएं''। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हमले को ''मूर्खतापूर्ण और हृदयविदारक'' करार दिया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने ट्वीट किया, ''थाईलैंड के एक चाइल्ड केयर सेंटर में जघन्य गोलीबारी से मैं बहुत दुखी हूं।

सांसदों की खरीद-फरोख्त करने की कोशिश से संबंधित इमरान खान का ऑडियो आया सामने

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का एक और कथित ऑडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें सांसदों की खरीद-फरोख्त करने की कोशिश करते सुना जा सकता है। साथ ही, अप्रैल में संसद में अविश्वास प्रस्ताव में प्रधानमंत्री पद से खान को अपदस्थ किये जाने से पहले सांसदों की कथित खरीद-फरोख्त के इस कृत्य को उचित ठहराते हुए भी उन्हें सुना जा सकता है। यह खान का तीसरा ऑडियो है। इससे पहले, इस हफ्ते उनके दो अन्य ऑडियो भी सामने आए थे, जिसमें वह वाशिंगटन में नियुक्त पाकिस्तान के राजदूत द्वारा मार्च में कूट में भेजे गये संदेश का जिक्र कर रहे थे। ऐसा माना जा रहा है कि हालिया रिकार्डिंग में भी खान की आवाज है, जिसमें उनके द्वारा यह कहते सुना जा सकता है, ''आपको यह गलतफहमी है कि अब आंकड़ों का खेल खत्म हो गया है...।'' खान ने ऑडियो में कहा, ''48 घंटा लंबा वक्त होता है। बड़ी चीजें हो रही हैं। मैं अपने कदम उठा रहा हूं जिसे हम सार्वजनिक नहीं कर सकते। '' उन्होंने कहा कि वह पांच सांसदों को खरीद रहे हैं। खान (69) ने ऑडियो में कहा, ''मैंने यह संदेश दिया है कि वे पांच सांसद बहुत महत्वपूर्ण हैं। और उनसे कह दीजिए कि यदि वे इन पांच को अपने पाले में कर लेंगे तो उनका पलड़ा भारी हो जाएगा। इस वक्त देश सतर्क है। लोग चाहते हैं कि हम किसी भी तरह विश्वासमत हासिल कर लें।'' पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ प्रमुख को ऑडियो में यह कहते सुना जा सकता है, ''इसलिए, इस बारे में चिंता नहीं करिए कि यह सही है या गलत है...यदि वे एक सांसद को भी अपने पाले में कर लेते हैं तो यह एक बड़ा अंतर पैदा करेगा।'' खान को इस साल 10 अप्रैल को प्रधानमंत्री के पद से अपदस्थ कर दिया गया था। इस बीच, खान की पार्टी के वरिष्ठ नेता असद उमर ने कहा कि यह ऑडियो 'क्लिप' विभिन्न अवसरों पर की गई बातचीत को जोड़ कर बनाई गई है। पार्टी के एक अन्य नेता फवाद चौधरी ने कहा, ''हर कोई जानता है कि ऑडियो क्लिप कहां और कैसे बनाई जा रही है।

उत्तर कोरिया को ईंधन की आपूर्ति पर अमेरिका ने एशियाई कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन । इस सप्ताह उत्तर कोरिया के तेजी से आक्रामक मिसाइल प्रक्षेपण के बीच, अमेरिका ने शुक्रवार को एशिया में उन लोगों और फर्म पर प्रतिबंध लगा दिया, जिन पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन करके उत्तर कोरिया को ईंधन खरीदने में मदद करने का आरोप लगाया गया था। वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने सिंगापुर, ताइवान और मार्शल द्वीप समूह से दो लोगों और तीन फर्म पर निशाना साधा। अमेरिका ने उन पर 'अवैध तरीके से जहाज से जहाज पर हस्तांतरण' के माध्यम से ईंधन ले जाने का आरोप लगाया जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध को बाधित करता है और उत्तर कोरिया के हथियार कार्यक्रमों और सेना के विकास का समर्थन करता है। मिसाइल प्रक्षेपण के अपने सबसे हालिया दौर की शुरुआत के बाद से प्रतिबंधों को अलग-थलग एशियाई देश की ओर निर्देशित किया गया है। उत्तर कोरिया ने दो सप्ताह से भी कम समय में कम से कम छह बार मिसाइल परीक्षण किया है। सियोल के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया के साथ लगी अपनी सीमा के पास 12 युद्धक विमान उड़ाए, जिसके जवाब में दक्षिण कोरिया के 30 सैन्य विमानों ने उड़ान भरी। अमेरिका के रक्षा मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 'इस साल बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण की अपनी अभूतपूर्व गति, पैमाने और दायरे को जारी रखा है'। उन्होंने कहा कि उसने सिर्फ इसी साल में 41 बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं।

यूएनएससी बैठक के दौरान 26/11 हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी

संयुक्त राष्ट्र । महीने के अंत में मुंबई में होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)की आतंकवाद निरोधक समिति की महत्वपूर्ण बैठक 26/11 के 'भयावह' आतंकवादी हमलों में जान गंवाने वाले लोगों को 'श्रद्धांजलि और एक वक्तव्य' होगी। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि एवं समिति की अध्यक्ष रुचिरा कम्बोज ने इसकी जानकारी देकर कहा कि समिति के सदस्य मुंबई हमलों के पीड़ितों की याद पुष्पचक्र चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि देने वाले हैं। भारत के पास वर्ष 2022 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधक समिति की अध्यक्षता है। मुंबई और नई दिल्ली में 28-29 अक्टूबर को इस समिति की विशेष बैठकें होंगी, जिसमें नई और उभरती हुई प्रौद्योगिकी पर चर्चा होगी। इस बैठक में 15 देशों के सदस्य हिस्सा लेने वाले हैं। यूएनएससी की आतंकवाद निरोधक समिति की अध्यक्ष कम्बोज ने कहा, फयह सच है कि विशेष समिति की मुंबई में बैठक होगी, यह अपने आप में मुंबई में हुई भयानक घटना के लिए एक श्रद्धांजलि और उस लेकर एक वक्तव्य होगा। गौरतलब है कि 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में 160 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इस हमले की साजिश पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने रची थी। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्य स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर कर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करने वाले हैं। पंद्रह देशों की सदस्यता वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के निर्वाचित अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दो साल का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त होगा। सुरक्षा परिषद के वर्तमान अस्थायी सदस्यों में अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन, घाना, भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको, नॉर्वे और यूएई शामिल हैं। जबकि चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका इसके स्थायी सदस्य हैं।

बांग्लादेश में औपनिवेशिक काल के हिंदू मंदिर में तोड़ी गई मूर्ति

ढाका । बांग्लादेश में औपनिवेशिक काल के हिंदू मंदिर में एक देवता की मूर्ति को अज्ञात व्यक्तियों ने खंडित कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। समाचार पोर्टल 'बीडीन्यूज डॉट कॉम' ने मंदिर समिति के अध्यक्ष सुकुमार कुंडा के हवाले से बताया कि बांग्लादेश के झेनाइदाह जिले के दौतिया गांव में काली मंदिर में अधिकारियों को खंडित मूर्ति के टुकड़े मिले। मूर्ति का ऊपरी हिस्सा मंदिर परिसर से आधा किलोमीटर दूर सड़क पर पड़ा हुआ था। कुंडा ने कहा कि काली मंदिर औपनिवेशिक काल से ही हिंदुओं का पूजा स्थल रहा है। यह घटना बांग्लादेश में 10 दिवसीय वार्षिक दुर्गा पूजा उत्सव के समाप्त होने के 24 घंटे से कुछ अधिक समय बाद हुई। बांग्लादेश पूजा उत्सव परिषद के महासचिव चंदनाथ पोद्दार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, घटना रात में झेनाइदाह के मंदिर में हुई। प्रख्यात ढाका विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर पोद्दार ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना कहा क्योंकि पूरे देश में दस दिवसीय उत्सव में कोई व्यवधान पैदा नहीं हुआ। झेनाइदाह पुलिस के सहायक अधीक्षक अमित कुमार बर्मन ने कहा, 'मामला दर्ज कर लिया गया है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है।' इस घटना को छोड़कर, इस साल पूरे बांग्लादेश में दुर्गा पूजा उत्सव शांतिपूर्वक मनाया गया।

प्राग में यूरोपीय यूनियन के सम्मेलन में चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पीटर फिएला , यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्लस माइकल और यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उरसला वांडर लियोन एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए।

आर्मीनिया और आजरबैजान ने तनाव कम करने के लिए वार्ता की

आजरबैजान और आर्मीनिया के नेताओं ने लंबे समय से शत्रु रहे दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के प्रयास करते हुए प्राग में वार्ता की है। दोनों देशों द्वारा शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान के मुताबिक, आर्मीनिया '' यूरोपीय संघ के असैन्य मिशन को आजरबैजान की सीमा से लगते इलाकों का दौरा करने की अनुमति देने पर सहमत हो गया है।''यह सहमति यूरोपीय सम्मेलन के इतर यूरोपीय संघ परिषद अध्यक्ष चार्ल्स माइकल और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच हुई बैठक में बनी। बयान में कहा गया कि आजरबैजान भी ''अपने क्षेत्र में मिशन के साथ सहयोग करेगा।'' पिछले महीने आर्मीनिया और आजरबैजान ने अपने बीच हुई लड़ाई के बाद संघर्ष विराम करने के लिए वार्ता की थी। उक्त लड़ाई में दोनों पक्षों के 155 सैनिक मारे गए थे। बयान के मुताबिक, ईयू मिशन अक्टूबर में काम शुरू करेगा और अधिकतम दो महीने के लिए सक्रिय होगा। मिशन का लक्ष्य 'विश्वास बहाल करना' और सीमा आयोगों का सहयोग करना है जिनकी स्थापना इस साल के शुरु में सीमा के सीमांकन के लिए की गई थी। गौरतलब है कि आजरबैजान और आर्मीनिया के बीच नागोर्नो-काराबाख को लेकर दशकों से संघर्ष चल रहा है। नागोर्नो-काराबाख आजरबैजान का हिस्सा है, लेकिन यह 1994 में एक अलगाववादी युद्ध समाप्त होने के बाद से आर्मीनिया द्वारा समर्थित बलों के नियंत्रण में है।

यूक्रेन पर परमाणु हमला के लिए पूरी तरह से तैयार है रूस! बाइडन ने चेताया दुनिया पर आने वाली है कयामत की रात

न्यूयार्क। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक भविष्वाणी की है कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की चपेट में आ सकती हैं और यह पूरी दुनिया के लिए कयामत साबित होगा। जो बाइडन के इस बयान के पीछे रूस के द्वारा दी जा रही यूक्रेन पर परमाणु बम गिराने की धमकी हैं। दरअसल पिछले संबे समय से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है जिसमें रूस की सेना ने जिस तरह से प्रदर्शन किया है उसे काफी कमजोर माना जा रहा है ऐसे में रूस के राष्ट्रपति पुतिन की तरफ से अपने देश के हित में यूक्रेन पर परमाणु बम का प्रयोग करने की धमकी भी दी गयी हैं। पुतिन के इस बयान के बाद बाइडन की टेंशन बढ़ गयी हैं। उन्होंने कहा है कि मैं पुतिन को अच्छी तरह से जानता हू कि अगर वह कह रहे हैं कि वह यूक्रेन पर परमाणु बम का प्रयोग कर सकते हैं तो उसका मतलब यही है कि वह ऐसा कर सकते हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि यह स्थिति 1962 के क्यूबा संकट जैसी स्थिति बन गयी हैं। 1962 के बाद कभी भी दुनिया में इस तरह की स्थिति नहीं बनी थी लेकिन रूस की परमाणु बम का प्रयोग करने की धमकी के बाद यह स्थिति फिर से उतपन्न हो गयी हैं।

बाइडन को सता रहा है तीसरे विश्व युद्ध का डर

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से परमाणु ''संघर्ष'' का जोखिम उच्चतम स्तर पर है, क्योंकि रूसी अधिकारी यूक्रेन में आठ महीने से जारी हमलों के दौरान बड़े पैमाने पर झटकों का सामना करने के बाद परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की संभावना की बात करते हैं। बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेट प्रचार अभियान समिति के लिए चंदा एकत्रित करने के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ''जब परमाणु हथियारों या जैविक या रासायनिक हथियारों के उपयोग के बारे में बात करते हैं तब वह मजाक नहीं करते हैं।'' बाइडन ने कहा, 'हमने कैनेडी और क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से संघर्ष की आशंका का सामना नहीं किया है।' बाइडन ने रूसी परमाणु सिद्धांत को भी चुनौती दी और चेताया कि कम क्षमता वाले सामरिक हथियार का उपयोग जल्द ही नियंत्रण से बाहर होकर वैश्विक विनाश का कारण बन सकता है। कई महीनों से अमेरिकी अधिकारी इस आशंका को लेकर चेतावनी दे रहे हैं कि रूस यूक्रेन में सामूहिक विनाश के हथियारों का उपयोग कर सकता है क्योंकि उसे हाल में युद्ध में कई रणनीतिक असफलताओं का सामना करना पड़ा है।

क्या राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु हथियार का इस्तेमाल करेंगे?

क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) पर नजर रखने वाले यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या रूसी नेता की परमाणु धमकी सिर्फ झांसा है, इससे अहम और कठिन सवाल नहीं हो सकता। फिलहाल के लिये, विश्लेषक सतर्कतापूर्वक यह सुझाते हैं कि इस बात का जोखिम कम लगता है कि पुतिन दुनिया के सबसे बड़े परमाणु हथियार के जखीरे का इस्तेमाल करेंगे। सीआईए ने कहा है कि उसे आसन्न रूसी परमाणु हमले के संकेत नहीं दिखते हैं। फिर भी, यूक्रेन में युद्ध छेड़ने के दौरान रूस की रक्षा के लिए 'उपलब्ध सभी साधनों' का उपयोग करने के उनके संकल्प को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। और शुक्रवार को उनके द्वारा किए गए इस दावे ने परमाणु हथियारों के दांव को लेकर आशंकाएं और बढ़ा दी हैं कि अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम का इस्तेमाल कर 'एक मिसाल कायम की है। ''

दुनिया में बढ़ा परमाणु संकट

व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) ने चेतावनी दी कि पुतिन परमाणु हमले का रुख करते हैं तो इसके 'रूस के लिए विनाशकारी परिणाम' होंगे। सवाल यह है कि क्या इससे पुतिन के हाथ रुकेंगे ? इसका अंदाजा किसी को नहीं है। क्रेमलिन पर नजर रखने वाले बेचैनी के साथ स्वीकार करते हैं कि वे पुख्ता तौर पर नहीं कह सकते कि वह क्या सोच रहे हैं या फिर वह तर्कसंगत और परिणामों से अच्छी तरह अवगत हैं? रूसी खुफिया संस्था केजीबी के पूर्व एजेंट ने जोखिम और अस्थिरता का सामना करने का माद्दा दर्शाया है। जासूसी उपग्रहों से सुसज्जित पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के लिए भी यह बताना मुश्किल है कि क्या पुतिन झांसा दे रहे हैं या वास्तव में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से उन्हें गुरेज नहीं होगा। सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने 'सीबीएस न्यूज' को बताया, 'हमें आज अमेरिकी खुफिया समुदाय में कोई व्यावहारिक सबूत नहीं दिख रहा है कि वह वास्तविक उपयोग के करीब जा रहा है, या फिर सामरिक परमाणु हथियारों के उपयोग करने का एक आसन्न खतरा है।'

रूस के इस कदम पर क्या कहते हैं एक्सपर्ट

सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने कहा, 'हमें इसे गंभीरता से लेने और वास्तविक तैयारियों के संकेत को देखने की जरूरत है।' क्रेमलिन पर नजर रखने वाले आंशिक रूप से इस बात को लेकर भी माथापच्ची कर रहे हैं कि आखिर कैसे परमाणु ताकत यूक्रेन में रूस के सैन्य नुकसान की भरपाई में मदद कर सकती है। यूक्रेनी सैनिक अपनी जमीन पर फिर से कब्जा करने के लिए बड़ी संख्या में टैंकों का उपयोग नहीं कर रहे हैं, और कभी-कभी गांवों के रूप में छोटे स्थानों के लिए लड़ाई होती है। ऐसे में रूसी परमाणु ताकतें विजयी प्रभाव के साथ क्या लक्ष्य तय कर सकती हैं? परमाणु जोखिम में माहिर संयुक्त राष्ट्र के निरस्त्रीकरण अनुसंधान संस्थान के एक वरिष्ठ शोधकर्ता एंड्री बकलिट्स्की ने कहा, 'परमाणु हथियार जादू की छड़ी नहीं हैं'। उन्होंने कहा, 'वे कुछ ऐसा नहीं है कि आप उनका उपयोग करेंगे और आपकी सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।'

नासा ने कहा कि नई अंतरिक्ष तकनीक इलेक्ट्रिक कार को सिर्फ पांच मिनट में चार्ज कर सकती है

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए नासा द्वारा वित्त पोषित एक नयी प्रौद्योगिकी धरती पर सिर्फ पांच मिनट में इलेक्ट्रिक कार चार्ज कर सकती है। इससे इस प्रकार के वाहनों को बड़ी संख्या में उपयोग में लाये जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने यह जानकारी दी। अमेरिका के परड्यू विश्वविद्यालय के शोधार्थियों ने दो चरणों वाले तरल प्रवाह के लिए 'फ्लो बॉयलिंग ऐंड कंडेनशन एक्सपेरीमेंट' विकसित किया है। उष्मा स्थानांतरण के प्रयोग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लंबी अवधि के सूक्ष्म गुरुत्व माहौल में किये जाएंगे। यह नयी प्रौद्योगिकी अन्य पद्धति की तुलना में उष्मा के स्थानांतरण को बहुत अधिक बढ़ाएगा और उसका उपयोग अंतरिक्ष में भविष्य के उपकरणों में तापमान नियंत्रित करने में किया जा सकेगा। शोधार्थियों ने कहा कि इस प्रौद्योगिकी का धरती पर भी उपयोग किया जा सकता है। यह इलेक्ट्रिक कार के उपयोग को बढ़ाएगा। वर्तमान में सड़क किनारे स्थित चार्जिंग स्टेशन पर इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करने में 20 मिनट का समय लगता है, जबकि घरों में यह अवधि कई घंटे की हो जाती है। चार्ज करने में लगने वाला लंबा समय और चार्जर का स्थान, इन दोनों को उन लोगों के लिए मुख्य चिंता का विषय बताया जाता है जो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना चाहते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करने में लगने वाले वक्त को घटा कर पांच मिनट करने के लिए 1400 एम्पियर विद्युत उपलब्ध कराने वाली चार्जिंग प्रणाली की जरूरत होगी। वर्तमान में उन्नत चार्जर सिर्फ 520 एम्पियर विद्युत ही उपलब्ध करा पाते हैं और उपभोक्ताओं के पास उपलब्ध ज्यादा चार्जर 150 एम्पियर से कम विद्युत प्रवाह करते हैं।

पाकिस्तानः साथियों की रिहाई की मांग को लेकर आतंकवादियों ने सड़क अवरूद्ध किया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की जेल में बंद अपने साथियों की रिहाई की मांग कर रहे आतंकवादियों ने अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा को गिलगित-बाल्टिस्तान से जोड़ने वाले एक मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे एक वरिष्ठ मंत्री और कई पर्यटक बीच रास्ते में फंस गए। मीडिया की एक खबर में शनिवार को यह जानकारी दी गई। सोशल मीडिया पर शुक्रवार को साझा किये गये एक 'ऑडियो क्लिप' में गिलगित-बाल्टिस्तान के वरिष्ठ मंत्री अब्दुल्ला बेग को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा सकता है कि इस्लामाबाद से गिलगित की तरफ जाते समय उन्होंने पाया कि आतंकवादियों ने अपने साथियों को जेल से रिहा कराने के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से सड़क को अवरूद्ध कर रखा है।

'डॉन' अखबार ने सूत्रों के हवाले से कहा कि गिलगित का कुख्यात आतंकवादी हबीबुर रहमान के साथियों ने शुक्रवार को शाम चार बजे डायमेर स्थित चिलास के ठाक गांव में सड़क को अवरूद्ध किया, जिससे दोनों तरफ के पर्यटक बीच रास्ते में फंस गए। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों ने अपने साथियों की रिहाई की मांग की है, जिसमें नंगा पर्वत क्षेत्र में विदेशियों की निर्मम हत्या करने और डायमेर में अन्य आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त लोग शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि जिले के राजनीतिक नेता और अधिकारी आतंकवादियों के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन पुलिस की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। बाद में, सोशल मीडिया पर सामने आये गिलगित-बाल्टिस्तान के मंत्री के एक 'ऑडियो क्लिप' में एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना गया कि कमांडर के साथ बातचीत चल रही है और उसकी दो मुख्य मांगें हैं। उन्होंने कहा, ''पहली मांग उसके साथियों की जेल से रिहाई है और दूसरी मांग, इस्लामी कानून लागू करना है, जिसमें महिलाओं को खेल-कूद की गतिविधियों में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं हो।'' उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पाकिस्तान के सांसदों ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की बढ़ती आतंकी गतिविधियों के बारे में आगाह किया, जबकि एक सांसद ने हाल में गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिबंधित संगठन द्वारा किए जाने वाले आतंकवादी हमलों के बढ़ते खतरे के सिलसिले में जानकारी मांगी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सांसद रजा रब्बानी ने सार्वजनिक चिंता के मुद्दे पर सीनेट के अध्यक्ष सादिक संजरानी से कहा कि वह गृह मंत्री को टीटीपी के साथ शांति वार्ता की वर्तमान स्थिति के बारे में संसद और जनता को बड़े पैमाने पर विश्वास में लेने का निर्देश दें। गृह मंत्रालय ने हाल में टीटीपी के साथ बातचीत रूक जाने या उसके गुटों द्वारा आतंकवादी हमलों के बढ़ते खतरे को लेकर आगाह किया था।

रूस से तेल खरीद पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, भारत जिस देश से तेल खरीदना चाहता है खरीदेगा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह साफ किया है कि किसी भी देश ने भारत को रूस से तेल खरीद रोकने के लिए नहीं कहा है और भारत उस किसी भी देश से तेल खरीदना जारी रखेगा जहां से उसे खरीदना है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया था जिससे उसके तेल के दाम गिर गए थे। ऐसी स्थिति में चीन और भारत ने कम दाम पर रूस से तेल की खरीद जारी रखी।

भारत दुनिया का तीसरा बड़ा तेल आयातक एवं उपभोक्ता देश है। स्वच्छ ऊर्जा पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए यहां पहुंचे पुरी ने कहा कि अपने उपभोक्ताओं को किफायती दामों पर ऊर्जा उपलब्ध करवाना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी होती है। पुरी ने यहां भारतीय संवाददाताओं से कहा कि भारत को जिससे भी तेल खरीदना है वह खरीदेगा और इसकी साधारण सी वजह यह है कि भारत की उपभोक्ता आबादी के संदर्भ में इस तरह की चर्चा नहीं की जा सकती। वैसे भी हमें रूस से तेल खरीदने से किसी ने मना नहीं किया है।

इसके साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि भारत तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और उसके सहयोगियों 'ओपेक प्लस' द्वारा तेल उत्पादन में प्रतिदिन 20 लाख बैरल की कटौती करने के फैसले के असर को कम करने में सक्षम होगा। पुरी ने अमेरिकी ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रेनहोम के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद कहा कि यदि आप अपनी तेल नीति को लेकर स्पष्ट हैं जिसका मतलब है कि आप ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा वहनीयता में भरोसा करते हैं तो आप जिन स्रोतों से ऊर्जा खरीदना चाहते हैं, उसे खरीदेंगे।

भारत की तेल जरूरतों की 85 प्रतिशत पूर्ति आयात से होती है। इसके साथ ही भारत तेल खरीद के अपने स्रोतों का दायरा बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ है। भारत सरकार इस आधार पर रूस से तेल खरीद का बचाव करती रही है कि उसे वहां से तेल खरीदना होगा जहां सबसे सस्ता है। सरकार ने अमेरिका के नेतृत्व वाले जी7 समूह की उस योजना में शामिल होने की कोई इच्छा प्रकट नहीं की है जिसमें रूस के राजस्व को सीमित करने के मकसद से उससे खरीदे गये तेल के दाम की सीमा तय करने का प्रस्ताव रखा गया है।

पुरी ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत ओपेक समूह का सदस्य नहीं है लेकिन ओपेक के फैसलों का उस पर असर होता है। उन्होंने कहा कि ओपेक के सदस्य देशों को तेल उत्पादन पर फैसला करने का संप्रभु अधिकार है। उन्होंने कहा कि मैंने परंपरागत रूप से हमेशा यह बात कही है कि वे कितने तेल का उत्पादन करना चाहते हैं और बाजार में कितनी आपूर्ति करना चाहते हैं, यह फैसला करने का उन्हें पूरा अधिकार है। लेकिन मैं हमेशा कहता हूं कि यह अपेक्षित और अनपेक्षित परिणामों के सिद्धांत पर निर्भर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मुंबई के चेंबूर आवासीय भवन में लगी आग, साइट पर मौजूद 8 टेंडर

मुंबई। 8 अक्टूबर को मुंबई के न्यू तिलक नगर इलाके में एक आवासीय इमारत में लेवल 2 में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। दोपहर करीब 2ः43 बजे आग लगने की सूचना मिली। चेंबूर के न्यू तिलक नगर इलाके में शनिवार को एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कम से कम 8 गाड़ियां मौके पर मौजूद थीं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फोन करने वाले के मुताबिक आग लोकमान्य तिलक टर्मिनस के पास बिल्डिंग की 12वीं मंजिल पर लगी।

गुजरात: पाकिस्तानी नौका से 350 करोड़ रुपये मूल्य की हेराइन जब्त

अहमदाबाद। गुजरात के अपतटीय क्षेत्र में एक पाकिस्तानी नौका से 350 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की गई है और इसके चालक दल के छह सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने अरब सागर में 'अल सकार' नाम की नौका को अपने कब्जे में ले लिया तथा इससे 50 किलोग्राम हेराइन बरामद की। उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात एक अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने कहा कि नौका में चालक दल के छह सदस्य सवार थे और इसे आगे की जांच के लिए राज्य के जखाऊ बंदरगाह लाया गया है। तटरक्षक बल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि सात और आठ अक्टूबर की दरम्यानी रात चलाए गए संयुक्त अभियान में एक पाकिस्तानी नौका को भारतीय समुद्र क्षेत्र में संदिग्ध स्थिति में देखा गया। विज्ञप्ति में कहा गया, पीछा करने पर, पाकिस्तानी नाव तेज गति से चलने लगी। समुद्री क्षेत्र में गश्त के लिए तटरक्षक बल द्वारा तैनात किए गए सी-429 और सी-454 जहाजों ने पाकिस्तानी नौका को रोक लिया। इसमें कहा गया कि नौका की तलाशी के बाद पांच बोरियों में 50 किलोग्राम मादक पदार्थ छिपा हुआ मिला जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 350 करोड़ रुपये है। विज्ञप्ति में कहा गया कि नौका चालक दल के छह सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया है।

हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है कश्मीर में 14वीं शताब्दी में बना दुर्गानाथ मंदिर

नई दिल्ली । श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मंदिर भी हैं जिनमें सदियों पुराना दुर्गानाथ मंदिर प्रमुख है। बताया जाता है कि 14वीं शताब्दी में इस मंदिर का निर्माण किया गया था और उस समय इसे शारदामत्ता मंदिर के नाम से जाना जाता था। सन् 1861 में डोगरा शासन के दौरान इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया था। हिंदुओं की आस्था के केंद्र इस मंदिर में आतंकवाद के दौर में भी पूजा पाठ होता रहा था और अब जब माहौल पूरी तरह सामान्य होने लगा है तो इस मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगने लगा है। खासतौर पर हिंदू पर्वों के दौरान यहां की रौनक देखते ही बनती है। अभी हाल ही में नवरात्रि पर्व के दौरान भी कश्मीर ही नहीं बल्कि भारत के अन्य भागों से भी लोग यहां पूजा अर्चना के लिए पहुँचे थे। कश्मीर घूमने आने वाले पर्यटक भी दुर्गानाथ मंदिर अवश्य आते हैं। दुर्गानाथ मंदिर के ट्रस्टी और कश्मीरी पंडित सम्मेलन के अध्यक्ष कुंदन कश्मीरी से मंदिर के इतिहास को लेकर बातचीत की। कुंदन कश्मीरी ने बताया कि दुर्गानाथ मंदिर में होने वाली महानवमी की पूजा का पुराना इतिहास रहा है और इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त यहां जुटते हैं तथा मंदिर परिसर में नवरात्रि पूजन संबंधी कार्यक्रमों के अलावा विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

देश के मुकाबले झारखंड में लड़कियों में बाल विवाह की दर अधिक: गृह मंत्रालय

रांची। जादू टोना हत्याओं के लिए कुख्यात झारखंड में लड़कियों का बाल विवाह का प्रतिशत सबसे अधिक होने के कारण प्रदेश की बहुत बदनामी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नवीनतम जनसांख्यिकीय नमूना सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। गृह मंत्रालय के महापंजीयक और जनगणना आयुक्तालय द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, झारखंड में लड़कियों के बालिग होने से पहले उनका विवाह करने का प्रतिशत 5.8 है। सर्वेक्षण के मुताबिक, ''राष्ट्रीय स्तर पर 18 साल की उम्र से पहले विवाह करने वाली लड़कियों का प्रतिशत 1.9 है, जबकि केरल में यह 0.0 है और झारखंड में 5.8 तक है।'' सर्वेक्षण में कहा गया है कि झारखंड के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में क्रमशः 7.3 प्रतिशत और तीन प्रतिशत लड़कियों का बाल विवाह हुआ है। नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) सांख्यिकीय रिपोर्ट में दुनिया के सबसे बड़े जनसांख्यिकीय सर्वेक्षणों में से एक के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर विभिन्न जनसांख्यिकीय, प्रजनन क्षमता और मृत्यु दर के अनुमान शामिल हैं इस रिपोर्ट में लगभग 84 लाख लोगों ने हिस्सा लिया है। सर्वेक्षण 2020 में किया गया था और आंकड़े पिछले महीने के अंत में प्रकाशित किए गए थे। झारखंड और पश्चिम बंगाल देश के दो ऐसे राज्य हैं जहां आधी से ज्यादा महिलाओं की शादी 21 साल की उम्र से पहले कर दी जाती है। सर्वेक्षण के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में जहां 54.9 प्रतिशत लड़कियों की विवाह 21 साल की उम्र से पहले किया जाता है, वहीं झारखंड में यह आंकड़ा 54.6 फीसदी है, जबकि राष्ट्रीय औसत 29.5 प्रतिशत है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2015 में झारखंड में जादू टोना करने के आरोप में 32 लोग, 2016 में 27, 2017 में 19, 2018 में 18 और 2019 और 2020 में 15-15 लोगों की मौत हुई थी।

पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में आगामी तीन-चार दिनों तक बारिश के आसार

नई दिल्ली । वायुमंडल में पूर्वी और पश्चिमी हवाओं के असर से बन रहे एक तंत्र के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर, जयपुर, उदयपुर व अजमेर संभाग के जिलों में आगामी तीन-चार दिनों तक बादल गर्जन व आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि वायुमंडल के निचले स्तरों में पूर्वी दिशा से आने वाली हवाओं में एक दिशा परिवर्तन केंद्र बन रहा और ऐसा ही वायुमंडल के ऊपरी स्तरों में आने वाली पश्चिम हवाओं में भी विद्यमान है। उन्होंने बताया कि इन दोनों तंत्रों के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर, जयपुर, उदयपुर व अजमेर संभाग के जिलों में आगामी तीन-चार दिनों तक मेघ गर्जन व आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की भी संभावना है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के केवल पूर्वी भागों में ही आगामी दो-तीन दिन छिटपुट स्थानों पर हल्के दर्जे की बारिश संभव है। पश्चिमी भागों में ज्यादातर स्थानों पर बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार सुबह से शाम साढ़े पांच बजे तक राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। धौलपुर में 15.5 मिलीमीटर, बांसवाडा में पांच मिलीमीटर, करौली में दो मिलीमीटर, बारां के अंता में 1.5 मिलीमीटर, चित्तौड़गढ़-डूंगरपुर में एक-एक मिमी बारिश दर्ज की गई। विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर हिस्सों में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस से लेकर 27 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, वहीं बीती रात तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस से लेकर 26.7 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा- सीएम पद के लिए उद्धव ने छोड़ा हिंदुत्व

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर मुख्यमंत्री पद के लिए हिंदुत्व को त्यागने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि पांच अक्टूबर को शिवाजी पार्क में उनकी दशहरा रैली और कुछ नहीं बल्कि अपनी शेखी बघारने और विरोधियों की आलोचना करने के लिए थी। राणे ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शिवसेना 2019 के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों का उपयोग करके 56 सीटें जीतने में सफल रही थी, लेकिन फिर उसने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ गठबंधन बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़ दिया। उन्होंने कहा, ''आप (शिवसेना) मोदी की तस्वीरों का इस्तेमाल करके जीते। उद्धव ठाकरे को हिंदुत्व के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। वे कांग्रेस और राकांपा के साथ क्यों गए? उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए हिंदुत्व को छोड़ दिया।'' शिवसेना ने 2019 में भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। हालांकि, मुख्यमंत्री के कार्यकाल को बराबर साझा करने के विवाद के बाद इसने राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिला लिया। कटु प्रतिद्वंदी माने जाने वाले ठाकरे और राणे नियमित रूप से एक-दूसरे पर कटाक्ष करते रहे हैं। राणे ने कहा, ''उन्हें हिंदुत्व के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। उन्हें हिंदुत्व पर बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उनका हिंदुत्व नकली है। उनकी रैली डींग मारने (स्वयं के बारे में) और आलोचना (विरोधियों की) के अलावा और कुछ नहीं थी।

'हमारी लड़ाई किसी विचारवादी पार्टी से नहीं', जेपी नड्डा बोले-

भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी जिसके पास विचारधारा है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

असम दौरे पर पहुंचे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। जेपी नड्डा ने दावा किया कि भाजपा एकमात्र ऐसी राष्ट्रीय पार्टी है जिसके पास अपनी विचारधारा है और अपना कैडर है। अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि हमारी लड़ाई किसी विचारवादी पार्टी से नहीं है बल्कि परिवारवाद और वंशवाद के समर्थक से है। एक तरफ हमारे से लड़ने वाले परिवारवाद और वंशवाद के समर्थक तथा एक तरफ राष्ट्रीय पार्टी कार्यकर्ताजो विचारों से युक्त और देश के लिए काम करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में इसी नॉर्थ ईस्ट और असम की उपेक्षा होती थी। जब से मोदी जी प्रधानमंत्री बनें, उन्होंने नॉर्थ ईस्ट का 50 बार दौरा किया और इस राज्य को विकास की मुख्य धारा में लाकर खड़ा कर दिया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि एक समय ऐसा आया था, जब असम का अस्तित्व खतरे में पड़ गया था। उस समय अमित शाह जी और हम खुद यहां आंदोलन कर रहे थे, नारा लगा रहे थे कि %दिल्ली हो या गुवाहाटी, अपना देश अपनी माटी%। विघटनकारी ताकतों ने हमारे ऊपर लाठी चार्ज किया था, उस समय हम असम के अस्तित्व के लिए लड़ने आए थे। उन्होंने कहा कि हमने असम के चाय श्रमिकों की दुर्दशा को देखा और महसूस किया है। उसी को संबोधित करने के लिए, नरेंद्र मोदी ने चाय-श्रमिकों और उनके परिवारों को कुशल स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए तुरंत एक मोबाइल वैन-डिस्पेंसरी उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि हमारे विपक्ष सभी वंशवादी हैं, चाहे वह जम्मू-कश्मीर में पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस हो, या तेलंगाना में टीआरएस हो।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा जैसी इच्छाशक्ति, ताकत, विचारधारा और नेतृत्व किसी भी राजनीतिक दल में नहीं है। हम असम में विकास के लिए अथक प्रयास करेंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में कोई विचारधारा बची है? भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है जिसके पास विचारधारा, कैडर है और लोगों का समर्थन भी है। इस कार्यक्रम में मौजूद अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार में नॉर्थ ईस्ट में अलगाववाद हुआ था। कांग्रेस के शासन में भारत को तोड़ने की ये प्रक्रिया हुई थी और कांग्रेस मूक दर्शक बनी रही थी। उन्होंने कहा कि उत्तर पूर्व में भारत को तोड़ने की ये प्रक्रिया हुई और कांग्रेस चुपचाप देखती रही। मोदी जी आकर भारत तोड़ने की प्रक्रिया को बंद करके, भारत को जोड़ने का काम किया है। जिन लोगों को भारत जोड़ना है उनके लिए उत्तर पूर्व में शांति और उत्तर पूर्व का विकास सर्वोपरि है।

मैं सोनिया गांधी के रिमोट कंट्रोल के रूप में काम नहीं करुंगा: खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में दावेदारी पेश कर रहे वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे प्रचार में व्यस्त हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि वह मौजूदा अध्यक्ष सोनिया गांधी के रिमोट कंट्रोल के रूप में काम नहीं करुंगा। साथ ही खड़गे ने कहा है कि अगर वह जीतते हैं, तब नियंत्रण उनके पास होगा। शनिवार को उम्मीदवारों के पास नामांकन वापस लेने का अंतिम मौका है। फिलहाल, खड़गे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से समर्थन जुटाने के लिए गुजरात के अहमदाबाद पहुंचे हैं। वहीं, हाल ही में उनके प्रतिद्वंदी शशि थरूर दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बैठक करने पहुंचे थे। पार्टी प्रमुख के चुनाव के लिए 17 अक्टूबर को मतदान होगा। वहीं, 19 अक्टूबर को मतगणना होगी।

दरअसल, भाजपा की तरफ से दावा किया गया है कि खड़गे, सोनिया के 'रिमोट कंट्रोल' और 'प्रॉक्सी' हो जाएंगे। इससे जुड़े सवाल पर खड़गे ने कहा कि लोग कहते हैं कि मैं रिमोट कंट्रोल हूं और पर्दे के पीछे काम करता हूं। वे कहते हैं कि मैं वहीं करूंगा जो सोनिया गांधी कहेंगी। मैं उन्हें बताना चाहता हूं, कि कांग्रेस में रिमोट कंट्रोल जैसी कोई चीज नहीं है। लोग साथ मिलकर फैसले लेते हैं। यह आपकी सोच है। मैं जानता हूं कि कुछ लोग यह गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।' थरूर को लेकर खड़गे ने कहा, मैं किसी को चुनाव लड़ने से कैसे रोक सकता हूं? मैं ऐसी चीजों में भरोसा नहीं करता और मैं इस काम के लिए यहां नहीं हूं। यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। जब मेरी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक मुझसे चुनाव लड़ने की अपील कर रहे हैं, तब क्या मुझे भागना चाहिए?'

कांग्रेस अध्यक्ष पद के दोनों उम्मीदवार कद्दावर, किसी को रिमोट कंट्रोल से नहीं चलाया जा सकता: राहुल गांधी

तुरुवेकेरे (कर्नाटक)। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को इन आशंकाओं को खारिज कर दिया कि गांधी परिवार पार्टी के अगले अध्यक्ष को रिमोट से नियंत्रित कर सकता है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे दोनों उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे और शशि थरूर कद्दावर और अच्छी समझ रखने वाले व्यक्ति हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गांधी ने कहा कि इस यात्रा में वह अकेले नहीं हैं बल्कि लाखों लोग इसमें शामिल हैं क्योंकि वे बेरोजगारी, महंगाई और असमानता से थक चुके हैं। कुछ वर्गों का कहना है कि गांधी परिवार अगले कांग्रेस अध्यक्ष को रिमोट से नियंत्रित कर सकता है।

इस बारे में पूछे जाने पर गांधी ने कहा, 'दोनों लोग जो (चुनाव में) उतरे हैं, उनकी एक हैसियत है, एक दृष्टिकोण है और वे कद्दावर तथा अच्छी समझ रखने वाले व्यक्ति हैं। मुझे नहीं लगता कि उनमें से कोई भी रिमोट कंट्रोल से चलने वाला (पार्टी प्रमुख) है। सच कहूं तो ये बातें उन्हें अपमानित करने के लिए कही जा रही हैं।' गांधी ने यह भी कहा कि वह स्वभाव से तपस्या में विश्वास करते हैं और 'भारत जोड़ो यात्रा' के माध्यम से लोगों से संपर्क करके उनके दर्द को साझा करना चाहते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,500 किमी की दूरी तय की जानी है। उन्होंने कहा कि नफरत और हिंसा फैलाना एक राष्ट्र विरोधी कार्य है और 'हम इसमें शामिल हर व्यक्ति से लड़ेंगे।'

गांधी ने कहा, 'हम नयी शिक्षा नीति का विरोध कर रहे हैं क्योंकि यह हमारे इतिहास, परंपराओं को विकृत कर रही है। हम एक विकेंद्रीकृत शिक्षा प्रणाली चाहते हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' 2024 के चुनाव के लिए नहीं है और कांग्रेस, भाजपा-आरएसएस द्वारा किए जा रहे देश के विभाजन के खिलाफ लोगों को एकजुट करना चाहती है।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाला: ईडी ने छापेमारी के बाद एक करोड़ रुपये की नकदी जब्त की

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब खत्म की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति में हुए कथित घोटाले को लेकर धन शोधन जांच के सिलसिले में छापेमारी के बाद करीब एक करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। जांच एजेंसी ने शुक्रवार को पंजाब, दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) और आंध्र प्रदेश में 35 से अधिक स्थानों पर दिन भर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, शराब कारोबारियों, वितरण कंपनियों और इससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ छापेमारी के दौरान एक स्थान से करीब एक करोड़ नकदी जब्त की गई है। सूत्रों ने बरामदगी वाले स्थानों के बारे में जानकारी गोपनीय रखी लेकिन उनका कहना था कि कुछ डिजिटल उपकरणों और दस्तावेज जब्त किये गये हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली स्थित एक टेलिविजन समाचार संगठन के एक निदेशक से जुड़े परिसर के अलावा शहर के एक कारोबारी जिसकी कंपनी विभिन्न मादक पेय पदार्थों का आयात और वितरण करती है और पंजाब के एक पूर्व विधायक के परिसर की भी ईडी के अधिकारियों ने तलाशी ली थी।

समझ नहीं आता कि केजरीवाल और उनका गिरोह हिंदुत्व से इतनी नफरत क्यों करता है: रीजीजू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय विधि मंत्री किरेन रीजीजू ने आम आदमी पार्टी (आप) और उसके नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और ''उनका गिरोह'' हिंदू तथा हिंदुत्व से इतनी नफरत क्यों करता है। उन्होंने यह टिप्पणी तब की जब दिल्ली सरकार के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम का एक 'धर्मांतरण कार्यक्रम' में कथित तौर पर शामिल होने से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद वह विवाद में घिर गए। शुक्रवार को वायरल हुए इस वीडियो में, कार्यक्रम में शामिल हजारों लोग बौद्ध धर्म अपनाने का संकल्प लेते और हिंदू देवी-देवताओं की निंदा करते सुने जा सकते हैं।

रीजीजू ने शुक्रवार रात तथा शनिवार सुबह किए सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, ''वास्तव में मुझे समझ में नहीं आता कि अरविंद केजरीवाल और उनका गिरोह हिंदू तथा हिंदुत्व से इतनी नफरत क्यों करता है? मैं राहुल गांधी के बारे में तो समझ सकता हूं लेकिन अरविंद केजरीवाल...।'' अरुणाचल प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रीजीजू ने कहा कि हर भारतीय को 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' मंत्र का पालन करना चाहिए। आप नेता का वीडियो आने के साथ ही भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पर निधाना साधते हुए उनसे गौतम को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। हालांकि, गौतम ने बयान जारी कर कहा कि वह ''बहुत धार्मिक व्यक्ति हैं और अपने कर्म तथा वचन से किसी देवता की सपने में भी आलोचना/निंदा नहीं कर सकते हैं।''

मोदी के तहत भाजपा ने आठ साल के शासन में पूर्वोत्तर को मुख्यधारा से जोड़ा: अमित शाह

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के 70 वर्ष के राज ने पूर्वोत्तर भारत को हिंसा और अराजकता की ओर धकेल दिया था लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने इसे मुख्यधारा से जोड़ दिया है। शाह ने यहां पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद दावा किया कि भाजपा शासन के दौरान असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र शांति व विकास के पथ पर आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 9,000 लोगों से हथियार डलवाकर असम में शांति स्थापित की है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बजट को तिगुना कर दिया है, जिससे सभी क्षेत्रों में ढांचागत विकास हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आजादी के बाद, सत्तर साल के कांग्रेस शासन ने पूर्वोत्तर को हिंसा और अराजकता की ओर धकेल दिया था लेकिन पिछले आठ वर्षों के दौरान मोदी के नेतृत्व ने इस क्षेत्र को मुख्यधारा से जोड़ने में मदद की है। शाह ने पार्टी के नए कार्यालय का जिक्र करते हुए कहा, 'भाजपा कार्यालय केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं हैं, बल्कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण, भावना, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत को दर्शाती है।'

इससे पहले, शाह ने भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के साथ केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा,पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख भावेश कलिता, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य की उपस्थिति में पार्टी के नए मुख्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर बनी छह मंजिला इमारत की सभी मंजिलों का जायजा लिया। नड्डा ने डिजिटल माध्यम से नौ जिला पार्टी कार्यालयों जबकि शाह ने 102क्षेत्रीय कार्यालयों की आधारशिला रखी।

नशामुक्ति अभियान के तहत दो माह के लिए भवन छोड़ देंगी उमा भारती

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

लंबे समय से मध्य प्रदेश में शराबबंदी की मांग कर रहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता उमा भारती ने राज्य सरकार के दो अक्टूबर से शुरू किये गये राज्यव्यापी नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह भी सात नवंबर से अपने इस अभियान की नर्मदा नदी के तट पर स्थित अमरकंटक से शुरुआत करेंगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सात नवंबर से तब तक वह घर और आवास में नहीं रहूंगी, जब तक कि लोग शराब के आतंक से मुक्त नहीं हो जाएं। इस दौरान वह टेंट या घास-फूस की झोपड़ी या पेड़ के नीचे रहेंगी।

राज्य शासन द्वारा आयोजित यह नशामुक्ति अभियान दो अक्टूबर से 30 नवंबर तक सतत चलेगा। इसमें शैक्षणिक, स्वयंसेवी, सामाजिक संस्थाओं और धर्मगुरुओं की सहभागिता से राज्य को नशामुक्त बनाने के लिये विभिन्न कार्यक्रम होंगे। भारती ने कहा, ''मैं सरकारी नशामुक्ति अभियान में भागीदारी नहीं करूंगी। सात नवंबर से हम भी अपना अभियान प्रारंभ करेंगे। इस बीच, हम इस अभियान की समीक्षा करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''सात नवंबर से तब तक मैं घर और आवास में नहीं रहूंगी, जब तक कि मैं यह नहीं देख लूंगी कि लोग अब शराब के आतंक से मुक्त हो गये हैं और महिलाएं घर में सुख से रह रही हैं, मोहल्लों में आराम से घूम सकती हैं, लड़कियां कॉलेज जा सकती हैं, पूजा करने के लिए मंदिर में जा सकती हैं, नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में जा सकते हैं, प्रार्थना करने के लिए गिरजाघर में जा सकते हैं और पूजा-अभिषेक करने के लिए जिनालय-बौद्धालय में जा सकते हैं, स्कूल व अस्पताल के पास और मजदूरों की बस्तियों के पास अब शराब की दुकानें नहीं हों।''

भारती ने कहा, ''जब ये सब चीजें सुनिश्चित हो जाएंगी तब मैं घर में रहना शुरू करूंगी। इससे पहले या तो टेंट लगवा लिया करूंगी या घास-फूस की कोई झोपड़ी मिल जाया करेगी तो उसमें रहूंगी, नहीं तो मैं पेड़ के नीचे भी रह लूंगी। इसमें मुझे कोई दिक्कत नहीं होती है। नदियों में नहा लेंगे। ये मैंने तय कर लिया है।'' उन्होंने कहा, ''मैं नर्मदा नदी में अमरकंटक के मैकल पर्वत पर जाऊंगी और वहां से सात नवंबर से अपना इस प्रकार का जीवन प्रारंभ कर दूंगी। इस बीच मैं अन्य जगहों पर भी जाऊंगी और रहूंगी। मैं दिसंबर अंत तक चलती रहूंगी और इंतजार करूंगी और यह इंतजार 31 मार्च तक चलेगा, क्योंकि तब तक शराब नीति का नया मसौदा बन जाएगा।''

भारती ने कहा कि शराब के दुष्परिणामों से महिलाओं का सम्मान, गरीबों का रोजगार एवं युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं मानती हूं कि हमारे देश में एक नियंत्रित शराब की नीति है ही नहीं, क्योंकि यह राज्य का विषय है। राज्य की सरकारें अपनी तरीके से जनभावनाओं की अवहेलना करते हुए भी शराब नीति बना देती हैं। ऐसे में भाजपा अब देश में आ गई है। भाजपा ने 370 हटाने की बात की और पूरी हुई, राममंदिर बनाने की बात कही, पूरी हुई। भाजपा ने जो वायदे किये, वे पूरे हुए।''

भारती ने कहा, ''लोग अपेक्षा करते हैं कि भाजपा शराब पर भी नियंत्रण की कोई एक नीति बनाएगी, राजनीति के स्तर पर या संगठन के स्तर पर और वो भाजपा शासित राज्यों को निर्देश दे कि वो नीति लागू करे। वो नीति जनहितैषी हो, महिला हितैषी हो, नौजवानों के भविष्य को ध्यान में रखकर हो। हालांकि, बाद में भारती ने ट्वीट किया, ''मैं सात नवंबर, 2022 से 14 जनवरी, 2023 मकर संक्रांति तक भवन त्याग दूंगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

नासिक में ट्रक से भिड़ंत के बाद बस में लगी भीषण आग, 10 लोगों की मौत, कई लोग घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नासिक,महाराष्ट्र के नासिक में शनिवार तड़के नासिक औरंगाबाद मार्ग पर तेजरफ्तार बस और ट्रक में हुई भिडंत के बाद बस में आग लग गई। बताया जाता है कि बस में बैठे 10 यात्रियों की आग में झुलसकर मौत हो गई है, अनेक लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जबकि कुछ लोग बस से कूदकर जान बचाने की कोशिश में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत बेहद नाजुक बताई जाती है। पुलिस ने बताया कि आज तड़के यवतमाल से मुंबई जा रही एक तेजरफ्तार लक्जरी बस की टक्कर एक अनियंत्रित ट्रक से हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि हादसे के बाद बस में आग लग गई। ट्रक से भिड़ंत के बाद बस 50-60 फीट दूर जाकर गिरी और इसके तुरंत बाद बस में आग लग गई। जिसके बाद कुछ यात्रियों ने जान बचाने के लिए बस से कूदने की कोशिश की और इस कोशिश में वे बुरी तरह घायल हो गए। घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय बस में लगभग 30-32 लोग सवार थे। नासिक पुलिस ने कहा कि मौतों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। नासिक पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 5.15 मिनट पर हादसे की सूचना मिलने के बाद तुरंत दमकल टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया,

हादसा दिल दहला देने वाला– गृहमंत्री अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, नासिक में एक सड़क हादसा दिल दहला देने वाला है.

"मैं इस भीषण हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

काफी देर की मेहनत के बाद दमकल टीम ने आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक 10 लोगों की जान जा चुकी थी। महाराष्ट्र स्थित नासिक में शनिवार तड़के बस में आग लगने के हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दु:ख जताया है. प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से किए गए ट्वीट के अनुसार

मुख्यमंत्री शिंदे ने भी जताया शोक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. यह हादसे कैसे और क्यों हुआ, इसकी जांच कराई जाएगी.

मुख्यमंत्री शिंदे ने ट्वीट किया,

'नासिक में भीषण बस दुर्घटना में 11 नागरिकों की दर्दनाक मौत हो गई. यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और दिमाग को सुन्न करने वाली है. इस घटना के पीछे के कारणों की जांच की जाएगी. हादसे में जान गंवाने वाले नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि'. उन्होंने कहा है कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सरकार 5 लाख रुपये की सहायता राशि देगी. साथ ही घायलों का इलाज सरकारी खर्चे पर किया जाएगा.

केंद्र सरकार ने मृतक आश्रितों और घायलो के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया गया. इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. बता दें कि शनिवार तड़के करीब सवा पांच बजे नासिक के नांदूर नाका इलाके में चिंतामणि ट्रेवल्स की एक लक्जरी बस में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई. वहीं अब भी कई लोग जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं. इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा नासिक में बस हादसे में 11 लोगों की मौत से दुखी हूं. मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस हादसे में अपनों को खोया है. स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है. घायलों का इलाज जल्द से जल्द किया जाए. प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गवाने वालों के परिजनों के लिए मुआवजा देने का भी एलान किया. उन्होंने कहा मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ की ओर से 2 लाख रुपये दिए जाएंगे और घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे. आपको बता दें कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब धुले से मुंबई जा रहा ट्रेलर बस से टकरा गया. आठ से दस लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे में घायलों को फायर ब्रिगेड ने इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है. ट्रैवल कंपनी के मालिक गुड्डू ने बताया कि स्लीपर बस में करीब 30 यात्री सवार थे. घायलों का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है. कहा जा रहा है कि कुछ लोगों की हालत गंभीर है और मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है.।

महिला पर प्रेम प्रसंग को लेकर गुस्से में बच्चों को चुराने का आरोप, पीड़िता को बेरहमी से पीटा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कल्याण,कल्याण से सटे टिटवाला में प्रेम प्रसंग को लेकर गुस्से में एक महिला को एक परिवार ने बच्चा चोर होने का आरोप लगाकर सड़क पर बेरहमी से पीटा. परिजन चिल्लाए कि वह बच्चों को चुरा रही है ताकि अन्य नागरिक भी इस महिला को पीटें। बीच सड़क पर लात-घूसों से पीटती रही यह महिला छह लोगों के चंगुल से छूटकर टिटवाला थाने पहुंची और एक ही परिवार के छह सदस्यों के खिलाफ टिटवाला पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार विक्रम अनंता भोईर, अनंता भोईर, वैभव भोईर, विद्या रवी भोईर, सुरेखा अनंता भोईर और अन्य एक महिला (यशोदा बंगला, वरपगांव, कल्याण-मुरबाड रोड की निवासी) के खिलाफ पीड़ित महिला ने मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। वरप गांव की रहने वाली ३१ वर्षीय महिला अपने पति और तीन बच्चों के साथ रहती है। वह भिवंडी के पास सावदगांव में एक भंडारण केंद्र में काम करती है। जब पति को पता चला कि उसकी पत्नी का वरप गांव के विक्रम अनंता भोईर से अफेयर चल रहा है तो पति अपनी पत्नी से अलग हो गया। वरप गांव में पत्नी और उसके तीन बच्चे रह रहे हैं। पीड़िता प्यार में पड़े विक्रम के पास गई और उससे शादी करने और अपने बच्चों की देखभाल करने को कहा। विक्रम ने नकार दिया। उल्टे उसने उसकी पिटाई कर दी। उस वक्त पीड़िता ने उसके खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था. जब पीड़ित महिला अपने तीन बच्चों को गुरुगोविंद स्कूल छोड़ने के लिए सुबह साढ़े सात बजे गई तो वहां से पैदल घर लौटते समय उन्हें एक इनोवा कार ने टक्कर मार दी। विक्रम के पिता अनंत भोईर, और अन्य आरोपी उस कार में थे। उन्होंने पीड़िता को गाली दी और जबरदस्ती अपने वाहन में बिठाकर टिटवाला ले गए। वे कहने लगे कि वे वहां विक्रम के साथ तुम्हारी शादी करना चाहते हैं। कार जैसे ही टिटवाला पहुंची, विक्रम वहां दुपहिया वाहन लेकर खड़ा था। पीड़िता कार से उतरी और विक्रम की तरफ दौड़ी। विक्रम ने उसे बाइक से धक्का मारकर उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। विक्रम के पिता अनंता ने भी महिला की पिटाई कर दी। पीड़िता दोनों के चंगुल से छूटकर टिटवाला रेलवे स्टेशन की ओर भागी. तभी छह आरोपियों ने उसका पीछा किया और यह चिल्लाते हुए उसके पीछे-पीछे भागने लगे कि यह महिला बच्चा चोर है। महिला को राहगीरों ने पकड़ लिया। फिर से आरोपी ने उसे डंडों से बुरी तरह पीटा। विक्रम ने पीड़िता का मोबाइल फोन छीन लिया. उसके साथ अन्य आरोपी फरार हो गए। बहरहाल टिटवाला पुलिस आगे की जांच कर रही है.

7000 करोड़ का ड्रग्स बनाने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार, गुजरात में ड्रग्स बनाकर बेचता था मुंबई में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,मुंबई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7000 करोड़ रुपये के एक ड्रग्स निर्माता को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम प्रेम प्रकाश सिंह है. पुलिस को उसके बैंक खाते में दो करोड़ रुपये की राशि मिली है और जांच में सामने आया है कि उसके खाते से करीब एक सौ करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है. पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि प्रेम प्रकाश सिंह पिछले तीन साल से ड्रग्स बना रहा है। पुलिस ने उसके बैंक खाते को सील कर दिया है और उसकी गहनता से जांच की जा रही है। वहीं प्रेम प्रकाश सिंह की गहन जांच के बाद पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। मुंबई पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सेल के उपायुक्त दत्ता नलावड़े ने कहा कि प्रेम प्रकाश सिंह ने उत्तरांचल विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में शिक्षा हासिल किया है। सिंह ने पहले एक केमिकल कंपनी में सलाहकार के रूप में काम किया था जिसके बाद उन्होंने अपनी खुद की कंपनी श्रेया केमिकल्स शुरू की। उन्होंने कंपनी की वेबसाइट पर 110 रसायनों के बारे में जानकारी पोस्ट की। उन्होंने कहा था कि हमारी कंपनी वेबसाइट पर इन 110 केमिकल्स के संबंध में काम करती है. उपायुक्तनलावड़े के मुताबिक प्रेम प्रकाश सिंह पिछले तीन साल से ड्रग्स बना रहा था. वह करोड़ों रुपये की ड्रग्स भी बेच चुका है। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने उसके एक बैंक खाते को सीज कर दिया है, जिसमें करीब दो करोड़ रुपये मिले हैं.